डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26
R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 199 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 28 जून 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

आज से शुरू होगी भव्य जगन्नाथ रथ यात्रा

● भगवान जगन्नाथ भाई-बहन संग रथ पर होंगे सवार ● यह यात्रा 12 दिनों तक चलेगी, भगवान तीनों रथों पर सवार होकर गुंडिचा मंदिर जाएंगे

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में आज (27 जून) रथयात्रा है। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ तैयार हो चुके हैं। हर साल 45 फीट ऊंचे तीनों रथ 200 से ज्यादा लोग सिर्फ 58 दिनों में तैयार करते हैं। ये रथ 5 तरह की खास लकड़ियों से पूरी तरह हाथों से बनाए जाते हैं। लकड़ियां मापने के लिए किसी स्केल का इस्तेमाल नहीं होता, बल्कि एक छड़ी से ही माप कर 45 फीट ऊंचे और 200 टन से ज्यादा वजनी रथ तैयार किए जाते हैं।

हर साल नए रथ बनते हैं। इनकी शुरुआत अक्षय तृतीया से हो जाती है और गुंडिचा यात्रा के दो दिन पहले रथ बन कर तैयार हो जाते हैं। यात्रा खत्म होने के बाद रथों को तोड़ दिया जाता है। आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि अत्यंत खास मानी जाती है क्योंकि इसी दिन भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा का शुभारंभ होता है। यह आयोजन न केवल पुरी, बल्कि पूरे देश और विदेशों से लाखों भक्तों को आकर्षित करता है। इस वर्ष जगन्नाथ रथ यात्रा 27 जून, शुक्रवार से शुरू होकर 8 जुलाई तक चलेगी।

- **धार्मिक महत्व और पुण्य की मान्यता-** जगन्नाथ रथ यात्रा का आशीर्वाद मिलता है '100 यज्ञों जितना पुण्य' प्राप्त करने का अवसर, ऐसी आस्था है कि जो व्यक्ति रथ खींचता है या उसमें घूमता है, उसे पाप-मुक्त होने का अधिकार मिलता है। यही वजह है कि पुरी में दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु इस आयोजन में भाग लेने आते हैं।
- **आस्था, संस्कृति और विविधता का संगम-** यह यात्रा सिर्फ एक उत्सव नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति की सशक्त परंपरा, वैश्विक सामूहिक भक्ति और धार्मिक समरसता की जीवंत मिसाल है।

हर साल पुरी रथयात्रा के दौरान श्रद्धालु अपने भीतर आध्यात्मिक उन्नति का अनुभव करते हैं। इस बार भी पुरी नगर, तेजस्वी रथों, भक्तों की आस्था, और अनुष्ठानों की रौनक से जगमगा उठा है।

रथ यात्रा का प्रारंभ

इस दिन भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ तीन अलग-अलग विशाल रथों पर सवार होकर 'मौसी के घर' कहलाने वाले गुंडिचा मंदिर की ओर रवानगी करते हैं। भगवान जगन्नाथ नंदीघोष नामक रथ पर सवार होते हैं, बलभद्र तालध्वज नामक रथ पर और सुभद्रा दर्पदलन नामक रथ पर विराजमान होती हैं। इन विशाल और भव्य रथों को भारी रस्सियों से लाखों भक्त मिलकर खींचते हैं। पंडाल के नीचे पुरी के राजा 'छेरा पन्हारा' नामक रस्म निभाते हैं, जिसमें वे सोने के झाड़ू से रथ के चबूतरे को साफ करते हैं।

बाइक-स्कूटर पहले की तरह टोल फ्री रहेंगे

मीडिया रिपोर्ट्स में 15 जुलाई से टैक्स लगाने की बात कही थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाइक-स्कूटर चलाने वालों को हाईवे पर किसी भी तरह का टोल टैक्स नहीं देना होगा। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि 15 जुलाई से नेशनल हाईवे पर टू-व्हीलर चलाने वालों को भी टैक्स देना होगा।

इन खबरों को सरकार ने फेक बताया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कहा- टू-व्हीलर चलाने वालों को पहले की तरह ही टोल टैक्स से छूट मिलती रहेगी। कुछ रिपोर्टों में ये भी दावा किया गया था कि बाइक और स्कूटर वालों को फास्टटैग लगवाना होगा और अगर नियम तोड़ा तो 2000 रुपए तक का जुर्माना देना पड़ सकता है। कुछ में कहा गया कि हर महीने 150 रुपए की टोल फीस देनी होगी। लेकिन, इन खबरों में कोई आधिकारिक गजट नोटिफिकेशन या सरकारी बयान का जिक्र नहीं था।

अहमदाबाद में बाढ़ जैसे हालात

घर-ऑफिस में पानी भरा

● अहमदाबाद-मुंबई हाईवे पर 15 किमी लंबा जाम, सूरत में गर्भवती का रेस्क्यू ● हिमाचल में 24 घंटे में 5 जगह बादल फटा ● 2 हजार टूरिस्ट फंसे, डैम से पानी छोड़ने का अलर्ट

नई दिल्ली/अहमदाबाद/हिमाचल/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में पिछले 12 घंटे से तेज बारिश हो रही है। इससे अहमदाबाद शहर में बाढ़ जैसे हालात हैं। वहीं हिमाचल प्रदेश में कुल्लू जिले में पिछले 24 घंटों में जीवा नाला (सैंज), शिलागढ़ (गढ़सा) घाटी, स्त्रो गैलरी (मनाली), हरनगढ़ (बंजार), कांगड़ा और धर्मशाला के खनियारा में बादल फटा। इसके चलते अचानक आई बाढ़ में 9 से ज्यादा लोग लापता हो गए थे। इसके बाद चले रेस्क्यू ऑपरेशन में 4 लोगों के शव बरामद हो चुके हैं। धर्मशाला के खनियारा से लापता एक मजदूर को आज सुबह सुरक्षित रेस्क्यू किया गया।

वहीं, कुल्लू में 2 हजार टूरिस्ट फंसे हैं। डैम से पानी छोड़ने का अलर्ट जारी किया गया है। इधर, राजस्थान में मानसून की बारिश जारी है। बांसवाड़ा में एक दिन में सबसे ज्यादा 8 इंच पारी बरसा।

गुजरात के अहमदाबाद में पिछले 12 घंटे से तेज बारिश हो रही है। इससे अहमदाबाद शहर में बाढ़ जैसे हालात हैं। पूर्वी क्षेत्र के मणिनगर, वटवा, सिटीएम, हाटकेश्वर, निकोल ओधव और विराट नगर समेत कई इलाकों में पानी भर गया। बारिश के पानी के बहाव में एक बाइक सवार ड्रेनेज लाइन में फंस गया। दमकल विभाग ने 9 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ड्रेनेज लाइन से 200 फीट दूर उसका शव बरामद किया। इस सीजन में अब तक शहर में 6:03 इंच बारिश हो चुकी है। सूरत में भी लगातार तीसरे दिन गुरुवार को बाढ़ के हालात हैं। गीतानगर इलाका में 3 से 4 फीट पानी में डूबा हुआ है। यहां तबीयत बिगड़ने के बाद एक गर्भवती महिला का फायर बिग्रेड टीम ने रेस्क्यू किया और अस्पताल पहुंचाया।

ओडिशा के संभलपुर में भारी बारिश - ओडिशा में संभलपुर शहर के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। इससे यहां सामान्य जीवन पर असर पड़ा है।

केरल में तेज बारिश, 3 जिलों में रेड अलर्ट; होर्डिंग्स, पेड़ गिरे - गुरुवार को केरल में मानसूनी बारिश तेज हो गई। एर्नाकुलम, इडुक्की और त्रिशूर जिलों के कुछ निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति बन गई।

अहमदाबाद-मुंबई हाईवे पर 15 किमी लंबा जाम - मानसून देश के ज्यादातर हिस्सों को कवर कर चुका है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, गुजरात में बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात हैं। सूरत के गीतानगर इलाका 3 से 4 फीट पानी में डूबा हुआ है। यहां तबीयत बिगड़ने के बाद एक गर्भवती महिला का फायर बिग्रेड टीम ने रेस्क्यू किया और अस्पताल पहुंचाया।

कांग्रेस बोली- चुनाव आयोग वोटर्स लिस्ट की डिजिटल कॉपी दें

● महाराष्ट्र चुनाव में फिक्सिंग के आरोप पर ईसी ने राहुल गांधी को चर्चा के लिए बुलाया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र चुनाव 2024 में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर कांग्रेस ने इलेक्शन कमीशन को लेटर लिखा है। पार्टी ने आयोग से एक हफ्ते में महाराष्ट्र चुनाव की डिजिटल वोटर्स लिस्ट मांगी है। साथ ही महाराष्ट्र और हरियाणा के वोटिंग डे की वीडियो फुटेज देने को कहा है।

पार्टी ने कहा कि यह पुरानी मांग है और आयोग इसे आसानी से दे सकता है। डेटा मिलने पर वे अपना एनालिसिस करेंगे और चुनाव आयोग से चर्चा करेंगे।

दरअसल, 12 जून को इलेक्शन कमीशन (ईसी) ने राहुल को लेटर लिखा था। इसमें राहुल को विधानसभा चुनाव में धांधली के उनके आरोपों पर चर्चा के लिए बुलाया गया था। इसी के जवाब में कांग्रेस ने आयोग को लेटर लिखा है।

उधमपुर में एनकाउंटर, 1 आतंकी मारा गया

● 4 आतंकियों का ग्रुप पिछले साल से इलाके में छिपा

उधमपुर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बसंतगढ़ इलाके में गुरुवार सुबह से जारी एनकाउंटर में एक आतंकी मारा गया है। इलाके में तीन और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। सेना और पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी है।

आईजीपी जम्मू जोन भीम सेन ने बताया कि बसंतगढ़ के बिहाली इलाके में पिछले एक साल से 4 आतंकियों के छिपे होने की खबर थी। गुरुवार सुबह साढ़े 8 बजे इनकी जानकारी मिलने के बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान आतंकियों ने सिक्योरिटी फोर्सेज के जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आतंकी मारा गया है। सोर्स के अनुसार, इलाके में 3 और आतंकी हैं। दोनों तरफ से फायरिंग जारी है।

थरूर पर कांग्रेस सांसद बोले-परिंदे को आसमान देखना पड़ता है

● शिकारी हर वक्त शिकार की तलाश में

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी की तारीफ के बाद कांग्रेस नेता शशि थरूर की अपनी ही पार्टी के साथ मतभेद की स्थिति बन रही है। अब तमिलनाडु के विरुधुनगर से कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने थरूर के आजाद पक्षी वाले पोस्ट पर तंज कसा है। टैगोर ने 'एक्स' पर शिकारी पक्षी (बर्ड्स ऑफ प्रे) पोस्टर के साथ लिखा- आज के समय में एक आजाद परिंदे को भी उड़ने से पहले आसमान देखना पड़ता है।

शुभांशु 28 घंटे सफर करके इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे

आईएसएस पर पहुंचने वाले पहले भारतीय, 14 दिन तक रिसर्च करेंगे

फ्लोरिडा (एजेंसी)। भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला सहित चारों एस्ट्रोनॉट आज यानी, 26 जून को शाम 4:00 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंच गए। करीब 28 घंटे के सफर के बाद वे आईएसएस पहुंचे हैं। इससे पहले मिशन क्रू ने स्पेसक्राफ्ट से लाइव बातचीत की। इसमें शुभांशु ने कहा था- नमस्कार फ्रॉम स्पेस! मैं अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ यहां होने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं।

उन्होंने कहा- जब हमें वैक्यूम में लॉन्च किया गया, तब मैं बहुत अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। मैं बहुत सोया हूं। यहां एक बच्चे की तरह सीख रहा हूं... अंतरिक्ष में चलना और खाना कैसे है।

सुबह शुभांशु ने स्पेसक्राफ्ट से लाइव किया था- नमस्ते फ्रॉम स्पेस! मैं अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ यहां आकर बहुत उत्साहित हूं। सच कहूं तो, जब मैं कल लॉन्चपैड पर कैप्सूल में बैठा था। 30 दिन के क्वारंटाइन के बाद, मैं बस यही चाहता था कि अब चल पड़ें। लेकिन जब यात्रा शुरू हुई, तो ऐसा लगा जैसे आपको सीट में पीछे धकेला जा रहा हो।

● शंघाई सहयोग संगठन की एससीओ की बैठक में राजनाथ की दो टूक

आतंकवाद पर दोहरा मापदंड के लिए कोई जगह नहीं

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री से नहीं मिले और साझा दस्तावेज पर साइन करने से किया इनकार

शंघाई (एजेंसी)। चीन के किंगदाओ में हुई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने जॉइंट स्टेटमेंट पर साइन करने से इनकार कर दिया है। गुरुवार को हुई इस बैठक भारत की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिस्सा लिया।

जॉइंट स्टेटमेंट में पहलगाम में हुए आतंकी हमले को शामिल नहीं किया गया था, जबकि बलूचिस्तान में हुई घटना इसमें शामिल थी। भारत ने इससे नाराजगी जाहिर करते हुए स्टेटमेंट पर साइन नहीं किए।

बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, पहलगाम आतंकी हमले का पैटर्न भारत में लश्कर-ए-तैयबा के पिछले आतंकी हमलों जैसा था। सीमा पार से होने वाले आतंकी हमलों को रोकने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए भारत ने 7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया।

कुछ देश सीमा पार आतंकवाद को अपनी नीति मानते हैं और आतंकवादियों को पनाह देते हैं। फिर इसे इनकार करते हैं। ऐसे डबल स्टैंडर्ड के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्हें समझना होगा कि अब आतंकवाद के एपिसेंटर सेफ नहीं हैं। राजनाथ ने कहा, एससीओ को ऐसे देशों की आलोचना करने में संकोच नहीं करना चाहिए। इस बैठक में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी मौजूद थे। दूसरी तरफ राजनाथ सिंह ने बैठक में पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ से भी मुलाकात नहीं की है।

रुद्रप्रयाग में नदी में ट्रैवलर गिरी

9 लापता, 3 की मौत और 8 घायल

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में अलकनंदा नदी में ट्रैवलर गिर गई। हादसा घोलतीर में बद्रीनाथ हाईवे पर हुआ। ट्रैवलर में 20 लोग सवार थे, इनमें से 3 की मौत हो गई है, जबकि 8 घायल हैं। वहीं, 9 लोग अभी भी लापता हैं। ट्रैवलर में राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के यात्री बैठे थे।

अमिताभ की आवाज वाली कॉलर ट्यून बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोई भी अनजान व्यक्ति अगर आपके बैंक खाते, ओटीपी-केवायसी या अन्य निजी जानकारी मांगता है, तो उसे बिल्कुल न दें। हर फोन के पहले 40 सेकेंड तक सुनाई देने वाले अमिताभ बच्चन की आवाज के वॉयस मैसेज सरकार ने बंद कर दिया है।

सितंबर 2024 में साइबर फ्रॉड के प्रति जागरूक करने के लिए इसे शुरू किया गया था। लेकिन इमरजेंसी कॉलिंग के दौरान लोग इससे परेशान हो गए थे। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी इसी हफ्ते इंदौर में कहा था- मैं भी इससे परेशान हो गया हूं।

तेलंगाना में महिला ने रेलवे ट्रैक पर कार चलाई

● कई पुलिस और रेल कर्मचारियों ने मिलकर रोका; 15 ट्रेनें रोकीं या डायवर्ट की गईं

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में एक 34 साल की महिला ने अपनी कार को रेलवे ट्रैक पर दौड़ा दिया। इसके चलते वहां मौजूद कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। 10-15 ट्रेनें रोकी या डायवर्ट करनी पड़ीं। शंकरपल्ली के पास हुई इस घटना के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। 13 सेकेंड के वीडियो में दिख रहा है कि महिला किआ सोनेट कार को रेलवे ट्रैक पर चला रही है। दूसरे वीडियो में स्थानीय लोग, रेलवे कर्मचारी और पुलिस मिलकर महिला को कार से बाहर निकालने की कोशिश करते दिखते हैं। भीड़ उसे कार से बाहर निकालने के बाद उसके हाथ बांध देती है। घटना को लेकर जांच जारी है कि महिला ने ऐसा क्यों किया और उसकी मानसिक स्थिति कैसी थी।

पद्मश्री सुरेंद्र दुबे का निधन... हार्ट-अटैक की आशंका

● कविताओं से दुनियाभर में थे मशहूर, अपनी मौत की अफवाह पर हंसाते हुए कहते थे-टाइगर अभी जिंदा है

रायपुर (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर हास्य कवि पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे का गुरुवार को निधन हो गया। खबर है कि उन्हें हार्ट अटैक आया है। रायपुर के एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट में उनका इलाज चल रहा था। दुबे के परिवार के करीबी भाजपा नेता उज्ज्वल दीपक ने सोशल मीडिया पर उनके निधन की जानकारी दी है।

डॉ. सुरेंद्र दुबे के निधन पर कवि कुमार विश्वास, राज्यपाल रामेन डेका, सीएम विष्णुदेव साय, गृहमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, पूर्व सीएम भूपेश बघेल और मीर अली मीर समेत कई बड़ी हस्तियों ने दुख जताया है। लिखा पूरे परिवार को ईश्वर इस आघात को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। ओम शांति।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

पढ़ाई के साथ स्कूलों में खेल संस्कृति का विकास

हमारा समाज बच्चों की पढ़ाई को लेकर बहुत गंभीर है, लेकिन खेलों को अक्सर पढ़ाई के रास्ते की रुकावट माना जाता है। हालांकि आज के समय में यह सोच बदलने की ज़रूरत है क्योंकि खेल और पढ़ाई एक-दूसरे के पूरक हैं। बच्चों की शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए खेल भी उतने ही ज़रूरी हैं जितनी शिक्षा। खेल न सिर्फ बच्चों के शरीर को स्वस्थ रखते हैं बल्कि उनमें अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास और टीम भावना जैसी जरूरी खूबियों को भी विकसित करते हैं। आज के दौर में बच्चे मोबाइल, टीवी और इंटरनेट में उलझे रहते हैं, जिसके कारण उनका शारीरिक विकास रुक रहा है। मोटापा, आंखों की समस्या और तनाव जैसी परेशानियां बचपन में ही उन्हें घेर रही हैं। खेल इन्हीं समस्याओं का समाधान है। खेलों से बच्चों का शरीर सक्रिय रहता है और उनमें ऊर्जा बनी रहती है। इसके साथ ही खेल मानसिक तनाव को कम करने में मददगार साबित होते हैं। खेल में जब बच्चे जीतते या हारते हैं, तो वे सीखते हैं कि असफलता के बाद भी कैसे आगे बढ़ा जाए। यह शिक्षा उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करने में मदद करती है।

स्कूलों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना बच्चों की रुचियों को पहचानने और उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ाने का मौका भी देता है। हर बच्चा पढ़ाई में अव्वल नहीं होता, लेकिन खेल में उसकी छिपी हुई प्रतिभा उसे एक पहचान दिला सकती है। देश के कई महान खिलाड़ी, जैसे नीरज चोपड़ा, पीवी सिंधु, मेरी कॉम और बजरंग पूनिया ने भी अपनी यात्रा स्कूल के खेल मैदानों से ही शुरू की थी। अगर स्कूल स्तर पर खेलों को प्राथमिकता दी जाए तो हर जिले से प्रतिभाशाली खिलाड़ी निकल सकते हैं, जो आगे जाकर देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

आज देश के कई स्कूलों में खेल सुविधाओं की भारी कमी है। खेल मैदान नहीं हैं, खेल उपकरणों का अभाव है और प्रशिक्षित कोच की नियुक्ति नहीं होती। कई स्कूलों में खेल पीरियड को पढ़ाई के लिए खत्म कर दिया जाता है। इससे बच्चों में खेलों के प्रति रुचि घटती जाती है। यही वजह है कि खेल संस्कृति मजबूत नहीं हो पा रही और बच्चे तनाव व शारीरिक समस्याओं से घिरते जा रहे हैं। अगर हमें इस स्थिति को बदलना है, तो स्कूलों में खेलों को पढ़ाई के समान महत्व देना होगा।

हर स्कूल में खेल मैदान की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए ताकि बच्चों को खेलने का पर्याप्त अवसर मिल सके। इंडोर और आउटडोर खेलों के लिए जरूरी उपकरण स्कूलों में उपलब्ध कराए जाने चाहिए। खेल पीरियड नियमित रूप से लिया जाए और उसे गंभीरता से लागू किया जाए। इसके साथ ही बच्चों को खेल में आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षक और कोच की नियुक्ति की जाए, ताकि बच्चों को सही तकनीक और खेल की बारीकियों की जानकारी मिल सके।

स्कूलों में नियमित रूप से खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी खेल संस्कृति को मजबूत कर सकता है। इससे बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा होगी और वे खेल को गंभीरता से लेने लगेंगे। जिला और राज्य स्तर पर स्कूल खेल प्रतियोगिताओं में बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए ताकि उन्हें आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाए, जिससे उनका हौसला बढ़े।

खेलों को करियर विकल्प के रूप में अपनाने को लेकर भी समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण बनाना ज़रूरी है। माता-पिता को बच्चों को खेल में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। बच्चों को पढ़ाई और खेल के बीच संतुलन बनाना सिखाना होगा ताकि वे दोनों क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर सकें।

हिंदी पर बनी गलतफहमियों को दूर करना ज़रूरी

"हिंदी विरोध क्यों? राजभाषा विभाग की भूमिका पर सवाल"

हिंदी भारत की आत्मा में बसने वाली भाषा है। यह वह माध्यम है, जिसने अलग-अलग बोलियों, संस्कृतियों और क्षेत्रों को एकता की डोर में बांधने का काम किया है। बावजूद इसके, आज भी देश के कई हिस्सों में हिंदी को लेकर ऐसी गलतफहमियां मौजूद हैं, जिनके कारण लोग या तो हिंदी से दूरी बनाकर रखते हैं या इसे 'थोपी हुई भाषा' मानते हैं। यह स्थिति न केवल भाषाई विकास में रुकावट पैदा कर रही है, बल्कि एकजुट भारत के सपने को भी चुनौती दे रही है। अब समय आ गया है कि हिंदी पर बनी इन गलतफहमियों को ईमानदारी से दूर किया जाए और आमजन को यह समझाया जाए कि हिंदी किसी की विरोधी नहीं, बल्कि जोड़ने वाली भाषा है।

हिंदी विरोध की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारत की आज़ादी के बाद जब हिंदी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया, तब कई राज्यों में यह आशंका उत्पन्न हुई कि हिंदी थोप दी जाएगी और क्षेत्रीय भाषाओं का महत्व कम हो जाएगा। खासकर दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर राज्यों में हिंदी के खिलाफ आंदोलन भी हुए। ये विरोध सिर्फ भाषा को लेकर नहीं थे, बल्कि पहचान और क्षेत्रीय अस्मिता के सवाल से भी जुड़े हुए थे। इन परिस्थितियों में हिंदी को लेकर अनेक भ्रांतियां गहराती चली गईं और राजनेताओं ने भी इसे राजनीतिक मुद्दा बनाकर लोगों में डर पैदा किया।

हिंदी पर बनी प्रमुख गलतफहमियां

1. हिंदी थोपने की कोशिश- लोगों में यह धारणा है कि हिंदी सीखना या अपनाना उनकी मातृभाषा के अस्तित्व के लिए खतरा है। जबकि हकीकत यह है कि भारतीय संविधान में सभी भाषाओं के सम्मान और संरक्षण का प्रावधान किया गया है। हिंदी सीखना किसी भी भाषा को छोड़ना नहीं, बल्कि एक अतिरिक्त ताकत पाना है।

2. हिंदी पिछड़ेपन की भाषा- कई शहरी युवाओं को लगता है कि हिंदी का उपयोग करने से वे आधुनिक नहीं रहेंगे और उनके करियर के अवसर सीमित हो जाएंगे। इसके विपरीत हिंदी में साहित्य, विज्ञान, तकनीक और डिजिटल कंटेंट का विशाल संसार विकसित हो रहा है।

3. हिंदी से रोजगार नहीं मिलेगा- यह भी एक गलतफहमी है कि हिंदी माध्यम में पढ़ाई करने वाले छात्रों को रोजगार के अवसर कम मिलेंगे। आज हिंदी में पत्रकारिता, अनुवाद, स्क्रिप्ट लेखन, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, सरकारी सेवाएं और डिजिटल क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

4. हिंदी से क्षेत्रीय भाषाओं को नुकसान- कुछ लोग मानते हैं कि हिंदी को बढ़ावा देने से तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मराठी, बंगाली जैसी भाषाओं का महत्व कम होगा। जबकि यह सच नहीं है। हिंदी किसी भाषा की प्रतिस्पर्धी नहीं है, बल्कि भारत की बहुभाषी संस्कृति को मजबूत करने वाली भाषा है।

हिंदीके महत्व को समझना क्यों ज़रूरी?

राष्ट्र की एकता और संवाद की भाषा: हिंदी उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक सरल संचार की भाषा बन सकती है, जिससे देश में आपसी सहयोग और समझ बढ़ती है।

सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व: हिंदी में अनेक संतों, कवियों और लेखकों ने अद्भुत साहित्य रचा है, जो भारतीय संस्कृति की आत्मा को व्यक्त करता है।

विश्व में हिंदी का विस्तार: हिंदी दुनिया की तीसरी सबसे बोली जाने वाली भाषा है। विश्व के कई देशों में हिंदी भाषियों की संख्या बढ़ रही है, जिससे हिंदी में अंतरराष्ट्रीय अवसर भी बढ़ रहे हैं।

डिजिटल और आर्थिक दृष्टि से उपयोगी: आज यूट्यूब, ब्लॉगिंग, पॉडकास्ट, ऑनलाइन शिक्षा, मनोरंजन और मार्केटिंग जैसे क्षेत्रों में हिंदी कंटेंट की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिससे हिंदी भाषा में दक्षता रखने वालों के लिए नई राहें खुल रही हैं।

हिंदी के सामने वर्तमान चुनौतियां

1. हिंदी में गुणवत्तापूर्ण तकनीकी और उच्च शिक्षा सामग्री की कमी।
2. शहरी युवाओं में हिंदी को लेकर आत्मविश्वास की कमी।
3. कुछ क्षेत्रों में हिंदी को राजनीतिक मुद्दा बनाकर गलतफहमियां पैदा करना।
4. हिंदी सीखने और सिखाने की योजनाओं में लचीलापन और संवाद की कमी।

गलतफहमियों को दूर करने की दिशा में उठाए जाने वाले कदम

जन-जागरूकता अभियान, हिंदी को लेकर बनी गलतफहमियों को दूर करने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और समाज में जन-जागरूकता अभियान चलाए जाएं। लोगों को बताया जाए कि हिंदी को सीखना मजबूरी नहीं, बल्कि अवसर है।

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा में हिंदी का उपयोग,इंजीनियरिंग, मेडिकल, कानून और मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण सामग्री हिंदी में उपलब्ध कराई जाए ताकि छात्रों को हिंदी में भी सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मिले।

हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं के बीच संतुलन, हिंदी को क्षेत्रीय भाषाओं के पूरक के रूप में प्रस्तुत किया जाए, विरोधी के रूप में नहीं। इससे भाषाई भाईचारे को मजबूती मिलेगी।

डिजिटल हिंदी को बढ़ावा, ऑनलाइन कोर्स, यूट्यूब चैनल, ब्लॉग, पॉडकास्ट और सरकारी सेवाओं में हिंदी के उपयोग को बढ़ाकर युवाओं को रोजगार और करियर की दृष्टि से प्रोत्साहित किया जा सकता है।

सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करना, हिंदी में सफल लोगों की कहानियों को सामने लाया जाए ताकि युवाओं में प्रेरणा और आत्मविश्वास बढ़े।

राजभाषा विभाग की भूमिका

राजभाषा विभाग को हिंदी थोपने की जगह, हिंदी अपनाने में सहायक और संवाद का पुल बनने की ज़रूरत है। इसके लिए हिंदी सीखने-सिखाने की सरल, लचीली योजनाएँ बनानी होंगी। क्षेत्रीय भाषाओं और हिंदी के बीच सामंजस्य के मॉडल विकसित करने होंगे। हिंदी में रोजगार की संभावनाओं की जानकारी लोगों तक पहुँचानी होगी। युवाओं में हिंदी को लेकर आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए प्रेरक कार्यक्रम चलाने होंगे।

हम सबकी ज़िम्मेदारी

अपने घर और कार्यस्थल पर हिंदी में संवाद बढ़ाना। बच्चों को मातृभाषा, हिंदी और अंग्रेज़ी तीनों में दक्ष बनाना। हिंदी साहित्य पढ़ना और दूसरों को पढ़ने के लिए प्रेरित करना। सोशल मीडिया पर हिंदी में गुणवत्तापूर्ण कंटेंट तैयार करना। हिंदी बोलने और लिखने में झिझक छोड़कर आत्मविश्वास से आगे बढ़ना।

हिंदी पर बनी गलतफहमियों को दूर करना आज वक्त की ज़रूरत है। हिंदी किसी क्षेत्रीय भाषा की दुश्मन नहीं, बल्कि उसकी बहन है। हिंदी कोई पिछड़ेपन की निशानी नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक जड़ों की गहराई और हमारे आत्मविश्वास का प्रमाण है। हिंदी में संवाद और लेखन करके हम अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए वैश्विक अवसरों की ओर भी बढ़ सकते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि राजभाषा विभाग, समाज और प्रत्येक नागरिक मिलकर हिंदी को सम्मान और प्रेम की भाषा के रूप में प्रस्तुत करें, ताकि हिंदी पर बनी गलतफहमियों की गांठें खुल सकें और भाषा का उद्देश्य, यानी जोड़ने और संचार का माध्यम बनने का काम ईमानदारी से पूरा हो सके।

नबी का माफ़ करने वाला किरदार बदले की जगह बख़्शिश

- नबी की ज़िंदगी से इंसानियत को सबक: ताक़त के बावजूद बख़्श देना

इस दुनिया में इंसान के किरदार को परखने का सबसे बड़ा पैमाना यह है कि वो ताक़त और ग़ुस्से के वक्त कैसा रवैया अपनाता है। जब किसी के पास बदला लेने की ताक़त हो और फिर भी वो माफ कर दे, तो वही असली ऊँचा किरदार होता है। इस पैमाने पर अगर किसी इंसान की मिसाल दी जा सकती है, तो वो हैं हज़रत मुहम्मद । उनका पूरा जीवन इंसानियत, सब्र, और बख़्शिश की मिसाल है। उन्होंने अपने ऊपर होने वाले ज़ुल्मों के जवाब में नफ़रत या बदले को नहीं, बल्कि माफ़ी, रहमत और दया को चुना।

ज़ुल्म के जवाब में सब्र और रहमत

रसूलुल्लाह हज़रत मोहम्मद की पूरी ज़िंदगी इंसानी अख़लाक़ की बुलंद मिसाल है। आपने उस दौर में भी सब्र और माफ़ी को तरजीह दी, जब आप पर तरह-तरह के ज़ुल्म ढाए जा रहे थे। मक्का की गलियों में तौहीन, तशद्दद, बहिष्कार और हत्या की साज़िशें आम थीं। मगर आपके दिल में नफ़रत नहीं, बल्कि दुआ और इस्लाह की तड़प थी।

कभी किसी ने आपके रास्ते में कांटे बिछाए, तो आपने जवाब में दुआ दी। कभी किसी ने गालियाँ दीं, तो आपने मुस्कराकर सब्र किया। यह वह किरदार था जिसने इंसानी फितरत को बदल कर रख दिया।

नबी की ज़िंदगी मक्के से लेकर मदीना तक, और बद्र, उहुद से लेकर फत्ह मक्का तक, हर मुक़ाम पर इस्लामी उसूलों और इंसानी हिम्मत की ऐसी मिसाल पेश करती है, जो दुनिया की हर तहज़ीब के लिए रहनुमाई का रास्ता है।

जब नबी ने लोगों को तौहीद की दावत दी, तो उन्हें तक़रीबन 13 साल तक मक्का में तशद्दद, तिरस्कार और बहिष्कार का सामना करना पड़ा। उन्हें 'साहिर', 'मजनून', 'क़ज़्ज़ाब' कहा गया। उनके चाहने वालों पर सख़्त ज़ुल्म हुए, बिलाल (रज़ि.) को तपते पत्थरों पर लिटाया गया, सुमैया (रज़ि.) को शहीद किया गया, ख़ब्बाब (रज़ि.) को आग पर लिटाया गया। इन तमाम सूरतों में नबी ने अपने साथियों को सब्र और दुआ की तालीम दी। उन्होंने किसी को बदला लेने या इंतकाम की इजाज़त नहीं दी।

नबी की बख़्शिश की सबसे बड़ी मिसाल ता'इफ़ का वाक़िया है। जब उन्होंने मक्का में इस्लाम की दावत देने में कोई कामयाबी न देखी तो ता'इफ़ का रुख़ किया, ताकि शायद वहां के लोग बात सुन लें। लेकिन ता'इफ़ के सरदारों ने उन्हें न सिर्फ़ दुत्कारा, बल्कि आवाम को उन्हें पत्थर मारने पर उकसाया। बच्चे और नौजवानों ने उन्हें इतना पत्थर मारा कि उनके जूते ख़ून से भर गए। ऐसी हालत में जब वह एक बाग़ में पनाह लेते हैं, तो अल्लाह तआला उनके पास फ़रिश्ता भेजता है और कहता है कि अगर आप चाहें तो इन लोगों पर पहाड़ गिरा दिए जाएं। मगर नबी का जवाब क्या होता है? वह कहते हैं:

"नहीं, मुझे उम्मीद है कि अल्लाह इनके नस्लों में ऐसे लोग पैदा करेगा जो एक अल्लाह की इबादत करेंगे।"

यह माफ़ी का ऐसा जज़्बा है, जो दुश्मनों को भी शर्मिंदा कर दे।

इसी तरह उहुद की जंग में जब नबी को ज़ख़्मी किया गया, उनके दांत शहीद हुए और चहरे से ख़ून बहा, तो सहाबा ने कहा कि आप बद्दुआ क्यों नहीं करते? मगर नबी ने फ़रमाया:

"मैं लानत करने के लिए नहीं, रहमत बनाकर भेजा गया हूँ।"

नबी ने माफ़ी का जो उसूल दिया, वो इंसानी समाज की बुनियादी ज़रूरत है। उनकी ये तालीम सिर्फ़ मुसलमानों के लिए नहीं थी, बल्कि पूरी इंसानियत के लिए थी। इसीलिए कुरआन में उन्हें "रहमतुल लिल आलमीन" कहा गया।

फत्ह मक्का के दिन का वाक़िया इस किरदार की इंतिहा है। वो मक्का जहाँ उन्हें तंग किया गया, निकाला गया, उनके क़त्ल की साज़िशें की गईं, आज जब वो फ़त्ह के साथ उस शहर में दाख़िल होते हैं, तो किसी को भी सज़ा देना उनके लिए आसान था। मगर उन्होंने एलान किया:

"आज तुम पर कोई गिरिफ़्त नहीं, जाओ तुम सब आज़ाद हो।"

ये उनके दुश्मनों के लिए भी ऐसा जुमला था, जो उन्हें शर्मिंदा कर गया। अबू सुफ़ियान जैसे दुश्मन, इस माफ़ी के बाद इस्लाम में दाख़िल हो गए।

नबी ने अपनी निजी ज़िंदगी में भी बदले के बजाय बख़्शिश को तर्जीह दी। एक यहूदी औरत ने आपको ज़हर दिया, लेकिन आपने उसे माफ़ कर दिया। एक कबीला जिसने आपकी बेटी हज़रत ज़ैनब (रज़ि.) को शहीद किया, आपने उन्हें भी माफ़ किया। यहाँ तक कि जिसने आपके चचा हज़रत हम्ज़ा (रज़ि.) का सीना चीर कर उनके जिगर को चबाया था — हिन्द बिन्त उत्बा — जब उसने तौबा की, आपने उसे भी बख़्श दिया।

ये वो किरदार है जो मोहब्बत, अदल और इंसाफ़ का नमूना है। जो सिर्फ़ अपने उम्मती के लिए नहीं, बल्कि अपने दुश्मनों के लिए भी रहमत बना।

आज का समाज जहां नफ़रत, जात-पात, मज़हबी बटवारे और बदले की भावना से भरा हुआ है, वहां नबी की ये सादगी, सब्र और बख़्शिश का उसूल बहुत ज़रूरी है। अगर हम अपने दिलों में नबी के किरदार की झलक लेकर चलें, तो ना सिर्फ़ इंसानी रिश्ते बेहतर हो सकते हैं, बल्कि पूरा समाज अमन, मोहब्बत और भाईचारे से भर सकता है।

नबी का ये किरदार हमें सिखाता है कि ताक़त बदला लेने में नहीं, बल्कि माफ़ कर देने में है। सब्र करने में है। दुआ देने में है। मोहब्बत बाँटने में है।

आख़िर में, नबी की ये दुआ हमें हमेशा याद रखनी चाहिए जो उन्होंने अपने हर उस दुश्मन के लिए भी मांगी जिसने उन्हें तकलीफ़ दी:

"ऐ अल्लाह, मेरी क़ौम को माफ़ कर दे, ये नहीं जानते कि क्या कर रहे हैं।"

ये हैं नबी की सच्ची सीरत – रहमत, माफ़ी, और बख़्शिश की सीरत।

और आज के वक़्त में, इस सीरत को अपनाना, नफ़रत के अंधेरे में रौशनी की तरह है।

पाकिस्तान को सख्त संदेश: रक्षा मंत्री राजनाथ बोले- आतंकवाद बर्दाश्त नहीं करेगा नया भारत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को साधुवाद कि चीनी प्रभाव वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में वे इस पर अडिग रहे कि यदि आतंकवाद के मामले में दोहरेपन का परिचय दिया जाएगा और संयुक्त बयान में पहलगाम हमले का जिक्र नहीं होगा तो उस पर भारत की सहमति नहीं होगी। इसका नतीजा यह हुआ कि संयुक्त बयान जारी नहीं हो सका।

ऐसा होना भी भारत की जीत है और चीन, पाकिस्तान समेत विश्व समुदाय को यह सीधा-सख्त संदेश भी कि अब नया भारत अपने हितों से समझौता करने के लिए तैयार नहीं। संयुक्त बयान जारी न होने से पाकिस्तान और चीन की नीयत भी फिर से उजागर हो गई। चीन को शर्मसार होना चाहिए, लेकिन वह शायद ही सुधरे। यह एक तथ्य है कि वह पहले भी आतंकवाद के प्रति नरमी दिखा चुका है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वह पाकिस्तान के आतंकी सरगनाओं का बचाव कर चुका है। इससे उसकी बदनामी भी हुई थी, लेकिन उस पर असर नहीं पड़ा। यह भी अच्छा हुआ कि रक्षा मंत्री इस पर भी अड़े कि एससीओ में आतंक का समर्थन करने वाले देशों की निंदा होनी चाहिए।

इसका अर्थ था कि पाकिस्तान को बख्शा न जाए, लेकिन चीन ने आशंका के अनुरूप ढिठाई दिखाई। इसके कारण ही एससीओ के रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन संयुक्त बयान के बिना समाप्त हो गया। इसका संज्ञान तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी लेगा।

यह स्पष्ट है कि एससीओ में चीन-पाकिस्तान के बीच बढ़ते शरारत भरे तालमेल को लेकर भारत को इस संगठन में अपनी भूमिका को लेकर सतर्क होना होगा और चीन में ही होने वाले इस संगठन के शिखर सम्मेलन की अभी से तैयारी करनी होगी। भारत को यह भी देखना होगा कि विस्तार ले रहे इस संगठन में अपनी महत्ता कैसे स्थापित करे।

उसे रूस के रवैये का भी नए सिरे से आकलन करना होगा, जो यूक्रेन में उलझे होने के कारण चीन पर अधिक निर्भर हो गया है। यह ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने रवैये के कारण चीन भारत से संबध सुधारना चाहता है और कुछ मामलों में अपना रुख बदलने के लिए विवश भी हुआ है, पर इसका यह मतलब नहीं कि वह भारत के हितों की अनदेखी करे या फिर अमेरिका एवं पश्चिम के अन्य देशों की तरह आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए और आतंक के समर्थक पाकिस्तान की पीठ पर हाथ भी रखे रहे।

वह अमेरिका को चुनौती देना चाहता है, लेकिन अभी इसमें सक्षम नहीं। वह और विशेष रूप से चीनी राष्ट्रपति एक तानाशाह ही हैं। भारत को अपनी आर्थिक शक्ति बढ़ाने के लिए चीन की सहायता तो चाहिए, लेकिन उसकी शर्तों पर नहीं। भारत को उस पर अपनी आर्थिक निर्भरता कम करनी चाहिए और गंभीरता के साथ यह देखना चाहिए कि मेक इन इंडिया जैसे अभियान अपेक्षा के अनुरूप सफल क्यों नहीं हो सके?

भारत की 2036 ओलिंपिक मेज़बानी की दावेदारी: अवसर, चुनौतियां और भविष्य"

भारत ने 2036 ओलिंपिक खेलों की मेज़बानी के लिए अपनी दावेदारी पेश कर यह संकेत दिया है कि वह अब वैश्विक खेल मंच पर सिर्फ प्रतिभागी नहीं, बल्कि आयोजक की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। यह कदम केवल खेल आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भारत की खेल कूटनीति, वैश्विक छवि, आर्थिक अवसर और युवाओं के लिए प्रेरणा की संभावनाएँ छिपी हैं।

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (IOC) ने कहा कि अभी मेज़बान देश चुनने का सही समय नहीं है, लेकिन भारत की यह दावेदारी उसकी गंभीर तैयारी और वैश्विक मंच पर सॉफ्ट पावर बढ़ाने की नीति का हिस्सा है। यह लेख भारत की इस दावेदारी के महत्व, अवसर और चुनौतियों पर गहराई से प्रकाश डालता है।

ओलिंपिक मेज़बानी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारत ने अब तक ओलिंपिक खेलों की मेज़बानी नहीं की है। हां, एशियाई खेल (1951 और 1982) और कॉमनवेल्थ गेम्स (2010) जैसे बड़े आयोजन कराने का अनुभव भारत को है, लेकिन ओलिंपिक आयोजन इससे कहीं बड़ा और चुनौतीपूर्ण होता है। सितंबर 2023 में भारत ने पहली बार 2036 ओलिंपिक के लिए मेज़बानी की मंशा ज़ाहिर की थी। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारत की तैयारी की घोषणा की, जिससे देश में उम्मीद और उत्साह का माहौल बना।

भारत के लिए ओलिंपिक मेज़बानी का महत्व

वैश्विक मंच पर भारत की छवि को मज़बूती मिलेगी और भारत की सॉफ्ट पावर बढ़ेगी। खेल संस्कृति को जमीनी स्तर तक नई गति मिलेगी और युवाओं में खेल के प्रति रुचि व आत्मविश्वास बढ़ेगा। खेल आयोजनों के लिए स्टेडियम, ट्रांजिट सिस्टम, खेल गांव और पर्यटन ढांचे के विकास से रोज़गार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। विदेशी निवेश, पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में आर्थिक अवसर खुलेंगे। राष्ट्रीय गर्व और एकता की भावना मज़बूत होगी।

खेल कूटनीति की नई दिशा

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में खेल को अपनी सॉफ्ट पावर और कूटनीति का माध्यम बनाना शुरू किया है। ओलिंपिक मेज़बानी की दावेदारी इसी नीति का विस्तार है। खेल आयोजनों के माध्यम से भारत अन्य देशों से संबंधों को मज़बूत कर सकता है। चीन और जापान जैसे देशों ने ओलिंपिक आयोजनों द्वारा वैश्विक नेतृत्व और क्षमताओं का प्रदर्शन किया। भारत भी इस दिशा में कदम बढ़ा रहा है ताकि वह एशिया में खेल नेतृत्व की भूमिका निभा सके।

मेज़बानी की संभावित जगह

अहमदाबाद को 2036 ओलिंपिक के आयोजन स्थल के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यहाँ सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव जैसे बड़े प्रोजेक्ट बन रहे हैं। दिल्ली और मुंबई जैसे शहर भी आयोजन में सहायक भूमिका निभा सकते हैं।

चुनौतियां

विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे और खेल सुविधाओं का विकास एक बड़ी चुनौती है। आयोजन में हज़ारों करोड़ रुपये का खर्च आएगा, जिसके लिए मज़बूत वित्तीय योजना आवश्यक है। पारदर्शिता बनाए रखना आवश्यक होगा ताकि आयोजन में भ्रष्टाचार न हो। यातायात, सफाई और व्यवस्था बनाए रखने के लिए जनसहभागिता बढ़ानी होगी। इंडोनेशिया, कतर और तुर्की जैसे देशों की दावेदारी से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

समाधान की दिशा

लंबी अवधि की सुनियोजित मास्टर प्लान और प्रोजेक्ट प्रबंधन किया जाए। निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र की साझेदारी बढ़ाई जाए। पर्यावरण के अनुकूल 'ग्रीन ओलिंपिक' की दिशा में तैयारियां हों। खेलों के प्रति जनसहभागिता और जागरूकता अभियान चलाए जाएं। आयोजन में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए तकनीकी निगरानी और ऑडिट तंत्र विकसित किया जाए।

भारत के पास अवसर

भारत के पास विशाल युवा आबादी और खेल प्रतिभा का भंडार है। डिजिटल ताकत, आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर और तेज़ी से विकसित होती अर्थव्यवस्था इस आयोजन के लिए मजबूत आधार दे सकती है। ओलिंपिक के सफल आयोजन से भारत में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर और खेल संस्कृति को स्थायी मजबूती मिलेगी।

भारत का 2036 ओलिंपिक मेज़बानी की होड़ में उतरना महज़ खेल आयोजन की तैयारी नहीं, बल्कि वैश्विक खेल कूटनीति और सॉफ्ट पावर को मज़बूत करने का प्रयास है। यह आयोजन भारत की अर्थव्यवस्था, युवाओं की खेल में भागीदारी और वैश्विक पहचान को नई ऊँचाई दे सकता है।

हालांकि इस राह में चुनौतियां बड़ी हैं, लेकिन संगठित रणनीति, जनसहयोग, पारदर्शिता और टिकाऊ विकास के माध्यम से भारत इस अवसर को भुना सकता है। यह आयोजन देश को खेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर भी ले जाएगा और दुनिया को दिखाएगा कि भारत ओलिंपिक जैसे आयोजन के लिए तैयार और सक्षम है।

अब समय है कि देश इस दिशा में संगठित प्रयास करे ताकि जब 2036 आए, भारत गर्व और सम्मान के साथ ओलिंपिक मेज़बानी कर सके और इतिहास में एक नई इबारत लिख सके।

राजस्थान शिक्षक संघ का महाधिवेशन शिक्षा केवल डिग्री नहीं, राष्ट्रनिर्माण का माध्यम होनी चाहिए- राज्यपाल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शिक्षकों को राष्ट्रनिर्माण की रीढ़ बताते हुए कहा कि शिक्षा केवल बुद्धि नहीं, चरित्र गढ़ने का माध्यम होनी चाहिए।

राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय प्रदेश समिति के दो दिवसीय महाअधिवेशन का समापन शुक्रवार को हनुमानगढ़ जिले के गोगामेड़ी के गोरक्षधाम में हुआ। समापन सत्र में राज्यपाल ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि सन् 1835 की मैकाले शिक्षा नीति ने भारतीय शिक्षा की आत्मा को खत्म किया था, लेकिन अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उस आत्मा को पुनः स्थापित कर रही है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 केवल पाठ्यक्रम का बदलाव नहीं है, बल्कि यह भारत की आत्मा को पुनर्जीवित करने का प्रयास है। उन्होंने बताया कि इस नीति के निर्माण में 400 कुलपति और 1000 से अधिक शिक्षाविदों ने दो वर्षों तक मंथन किया।

उन्होंने कहा कि भारत की गुरुकुल परंपरा में शिक्षा जीवन पद्धति थी, जहां छात्र को केवल विषय नहीं, जीवन जीना भी सिखाया जाता था। आज आवश्यकता है कि शिक्षक फिर से उसी परंपरा को जीवित करें। उन्होंने इस अवसर पर शुभांशु शुक्ला, राकेश शर्मा सहित हीरालाल शास्त्री, हरिभाऊ उपाध्याय, दुर्गाराम, डॉ. भीमराव अंबेडकर, लाल गोविंद प्रभु, केशव माधो का जैसे सामाजिक, राजनैतिक और वैज्ञानिक व्यक्तित्व की प्रेरणदायक जिवनी का जिक्र किया।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण है। उन्होंने प्राथमिक शिक्षकों को उच्चतम वेतन देने वाली जर्मनी की शिक्षा प्रणाली का उदाहरण देते हुए कहा कि शिक्षक को सबसे अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। बच्चे को केवल नंबर नहीं, संस्कार देना शिक्षक का धर्म है। इस मौके पर राज्यपाल और शिक्षा मंत्री ने गुरु गोरखनाथ धाम और गोगाजी के दर्शन किए तथा पूजा अर्चना की।

शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षक केवल पढ़ाता नहीं बल्कि विद्यार्थियों को गढ़ता है। उन्होंने कहा कि मूर्तिकार मिट्टी से राम और रावण दोनों बना सकता है, यह निर्णय शिक्षक के हाथ में होता है कि वह क्या बनाए।

संसदीय कार्य मंत्री ने सर्किट हाउस में सुनी आमजन की समस्याएं

-प्रत्येक शिकायत पर तत्परता से कार्रवाई के निर्देश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जन संवाद को सशक्त बनाने और शासन को जन

जन तक पहुंचाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा लोकहित में संचालित जनसुनवाई के तहत शुक्रवार को सर्किट हाउस, जोधपुर में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने आम नागरिकों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं। उन्होंने सभी प्रस्तुत प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

पटेल ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वर्तमान सरकार एक उत्तरदायी, पारदर्शी और संवेदनशील प्रशासन के लिए कटिबद्ध है, जिसका उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई केवल संवाद का जरिया नहीं, बल्कि सुशासन की आधारशिला है, जिसमें नागरिकों की भागीदारी और विश्वास सर्वोपरि है।

अधिकारियों को दी जवाबदेही निभाने की सख्त हिदायत

मंत्री पटेल ने उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन की सफलता तभी मानी जाएगी जब समस्याओं का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान हो। उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल आदेशों के अनुपालक नहीं,

बल्कि शासन की नीतियों के संवाहक भी हैं और जनता की सेवा में उनके व्यवहार में संवेदनशीलता, तत्परता व उत्तरदायित्व का भाव झलकना चाहिए।

जनसुनवाई के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मंत्री पटेल ने कहा कि यह लोकतंत्र की आत्मा को जीवंत बनाए रखने का मंच है। जनसुनवाई, सरकार और नागरिकों के बीच मजबूत संवाद का माध्यम है। इससे नागरिकों में यह विश्वास पनपता है कि सरकार उनकी बात सुनती है, समझती है और समाधान की दिशा में कार्य करती है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, बिजली, सड़क, सामाजिक सुरक्षा और राजस्व जैसी आवश्यक सेवाएं प्रत्येक व्यक्ति को सुगमता से उपलब्ध हों।कार्यक्रम के दौरान उच्च शिक्षा, पंचायती राज, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, राजस्व, पीडब्ल्यूडी, बिजली वितरण, स्वायत्त शासन, पेयजल आदि विभागों से जुड़ी अनेक शिकायतें प्राप्त हुईं। मंत्री पटेल ने सभी प्रकरणों को व्यक्तिगत रूप से सुना, वस्तुस्थिति जानी और अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश जारी किए कि समाधान निष्पक्ष, त्वरित और जन संतोष के अनुरूप हो।

गांवों के समग्र विकास और अंतिम व्यक्ति तक सेवा की पहुंच हमारी प्राथमिकता - संसदीय कार्य मंत्री

- बिजली, पानी, सड़क व राजस्व मामलों का त्वरित समाधान प्राथमिकता

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को जोधपुर की लूणी विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत डोली (तहसील झंवर) एवं ग्राम पंचायत धांधिया (तहसील लूणी) में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित जनकल्याण शिविरों का निरीक्षण कर ग्रामीणजनों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार का ध्येय यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक नागरिक को मूलभूत सुविधाएं जैसे बिजली, पानी, सड़क ग्रामीण स्तर पर ही सुलभ हो जाएं।

गांवों को शहर जैसी सुविधाओं से सुसज्जित करेंगे-

पटेल ने ग्राम पंचायत डोली में आयोजित शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार का मानना है कि विकास की असली परिभाषा तब साकार होती है, जब गांव के अंतिम व्यक्ति को भी शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ मिले। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सपना है कि ग्रामीणों को गांव में ही रोज़गार, शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना से जुड़ी समस्त सुविधाएं मिले ताकि कोई भी व्यक्ति गाँव छोड़कर शहर जाने को विवश न हो।

जनसमस्याओं पर तुरंत कार्यवाही के निर्देश-

शिविर के दौरान मंत्री पटेल ने बिजली विभाग के अधिकारियों से संवाद करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की स्थिति पर फीडबैक लिया। सभी ट्रांसफार्मर, केबल व लाइन की मरम्मत शीघ्र पूर्ण की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि डोली गांव में जो सड़क निर्माण कार्य चल रहा है, उसमें लाइट और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि किसी भी नागरिक को असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीणों की बिजली, पानी, सड़क, राजस्व सहित अन्य समस्याओं का समयबद्ध व प्राथमिकता से समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि डोली गांव का कोई भी राजस्व प्रकरण न्यायालय में लंबित न रहे और चल रहे मामलों का शीघ्र निस्तारण किया जाए।

शिविरों में लाभार्थियों को मिले योजनाओं के लाभ-

शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स पर नागरिकों को योजनाओं से संबंधित जानकारी दी गई और मौके पर ही आवश्यक प्रमाण पत्र व लाभ उपलब्ध कराए गए। ग्रामीणों ने मंत्री पटेल के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं, जिनका उन्होंने मौके पर ही समाधान कराने के निर्देश दिए।

हर पात्र मतदाता तक पहुँच सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता- मुख्य निर्वाचन अधिकारी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग की 'नो वोटर लेफ्ट बिहाइंड' पहल के तहत 18 वर्ष पूर्ण कर रहे पात्र नागरिकों को मतदाता के रूप में पंजीकृत करने के लिए राज्य निर्वाचन विभाग द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में स्टेट स्टीयरिंग कमिटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन की बैठक आयोजित की गई। महाजन ने कहा कि राज्य निर्वाचन विभाग सभी मतदाताओं, विशेषकर दिव्यांगजन को सुगम और समावेशी मतदान अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। दिव्यांग मतदाताओं के मतदान केंद्र तक आसान पहुँच सुनिश्चित करने हेतु विशेष व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। इसमें व्हीलचेयर, रैम्प, ऑडियो विजुअल गाइडेंस सहित विभिन्न आवश्यक सुविधाएँ सम्मिलित हैं, जिससे सभी मतदाता निर्बाध रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि नव मतदाताओं को जोड़ने और उन्हें जागरूक करने के उद्देश्य से कॉलेजों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब्स की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चिकित्सा, सामाजिक न्याय, उच्च शिक्षा सहित विभिन्न विभागों को निर्देश दिए कि वे अपनी वेबसाइट पर वोटर रजिस्ट्रेशन पोर्टल का लिंक अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें। साथ ही, विभागों द्वारा नागरिकों से प्राप्त किए जाने वाले आवेदन प्रपत्रों में मतदाता पंजीकरण से संबंधित विकल्प भी सम्मिलित किया जाए, ताकि पात्र

नागरिकों की जानकारी प्राप्त कर उन्हें वोटर बनाया जा सके।

महाजन ने कहा कि दिव्यांग मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने हेतु राज्य, जिला एवं कॉलेज स्तर पर दिव्यांग आइकन्स को ब्रांड एम्बेसडर के रूप में नामित किया जाए। इसके माध्यम से दिव्यांगजनों में मतदान के प्रति जागरूकता और सहभागिता को बढ़ावा दिया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं और प्रसिद्ध व्यक्तित्वों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान से जोड़ा जाए और उनसे आग्रह किया जाए कि वे मतदान के महत्व को जन-जन तक पहुँचाएं।

बैठक में राज्य निर्वाचन विभाग के साथ संबंधित विभागों के अधिकारी, विभिन्न एनजीओ और हितधारक उपस्थित रहें।

भूमि एवं सम्पत्ति निस्तारण समिति की बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण की भूमि एवं सम्पत्ति निस्तारण समिति की 212वीं बैठक जेडीए के मंथन सभागार में जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में विभिन्न जनहितैषी और विकासात्मक परियोजनाओं के लिए भूमि/भूखंड आवंटन से संबंधित कई प्रस्तावों पर विचार-विमर्श पश्चात विभिन्न प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई।

ग्राम रागपुरा रूपा (तहसील सांगानेर) में 2782 वर्ग मीटर भूमि को मास्टर प्लान में दर्शित स्पेशल एरिया के तहत पार्किंग हेतु आरक्षित करने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय शहर में बढ़ती पार्किंग की समस्या के समाधान में महत्वपूर्ण साबित होगा।

जेईसीसी की तर्ज पर एमआईसीई सेंटर (मीटिंग्स, इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेंसेस, एग्जीबिशन) के निर्माण हेतु विद्याधर नगर योजना के सेक्टर-7 में 6318 वर्ग मीटर भूमि के आवंटन को मंजूरी दी गई। यह केंद्र जयपुर को एक प्रमुख व्यापार और पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने में सहायक होगा।

निजी खातेदारी की आवासीय योजना नारायण सागर विस्तार में सुविधा क्षेत्र की 1669.22 वर्गगज भूमि प्रस्तावित पुलिस थाना नारायण विहार के प्रशासनिक एवं आवासीय भवनों हेतु आवंटन करने का निर्णय लिया गया।

निजी खातेदारी की योजना पर्ल रिंगेलिया के सुविधा क्षेत्र के भूखंड संख्या एफ-1 क्षेत्रफल 3300 वर्ग गज (2759.13 वर्ग मीटर) भूमि का स्कूल निर्माण हेतु आवंटन हेतु प्रस्ताव राज्य सरकार को भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया। जो शिक्षा के क्षेत्र में सुविधाओं का विस्तार करेगा।

निजी खातेदारी की योजना पर्ल रिंगेलिया के सुविधा क्षेत्र के भूखंड संख्या एफ—2 क्षेत्रफल 3800 वर्ग गज (3177.18 वर्ग मीटर) का हॉस्पिटल निर्माण हेतु आवंटन हेतु प्रस्ताव राज्य सरकार को भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया। जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ेगी।

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविधालय, प्रताप नगर, सांगानेर के सम्मुख मरीजो के परिजनो हेतु धर्मशाला हेतु भूमि आवंटन हेतु प्रस्ताव राज्य सरकार को भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया। जो मरीजों के परिजनों को बड़ी राहत प्रदान करेगा।

नगर निगम, जयपुर ग्रेटर को बायोमेडिकल वेस्टेज ट्रीटमेंट प्लांट हेतु ग्राम लांगडियावास तहसील जमवारामगढ में 4.00 हैक्टेयर भूमि आवंटन को हरी झंडी दी गई, जो शहर में बायोमेडिकल कचरा प्रबंधन को सुधारेगा।

जविप्रा की आवासीय योजना लालचंदपुरा के भूखंड संख्या बी-190, बी-192, बी-194, बी-196, बी-198, बी-199, बी-201, बी-202, बी-214 कुल 9 भूखंड जो खसरा सीमा से प्रभावित हो रहे थे, उनके स्थान पर योजना के रिक्त भूखंडों में लॉटरी से आवंटन का निर्णय लिया गया।

जविप्रा की योजना हीरालाल शास्त्री नगर में सृजित भूखंड संख्या डी-1 से डी-16 का मौके पर 9 मीटर का पहुंच मार्ग निजी खातेदारी की भूमि से प्रभावित होने के कारण, आवंटित भूखंड संख्या डी-3, डी-4, डी-5, डी-6, डी-8, डी-9, डी-12 व डी-16 के स्थान पर विनिमय द्वारा समान क्षेत्रफल के अन्य भूखंड आमजन सूचना प्रकाशन के उपरांत लॉटरी से नियमानुसार आवंटन करने का निर्णय लिया गया।

समिति द्वारा लिए गए ये सभी निर्णय जयपुर के सुनियोजित विकास और जनसुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। जयपुर विकास प्राधिकरण शहर के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी ऐसे जनहितैषी कदम उठाता रहेगा।

त्रिवेणी धाम में विवाह सम्मेलन के लिए जन संपर्क अभियान जारी

-देवउठनी एकादशी पर होगा आयोजन

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। जांगिड़ ब्राह्मण विवाह सम्मेलन समिति त्रिवेणी धाम शाहपुरा द्वारा आगामी देवउठनी एकादशी पर आयोजित होने वाले विवाह सम्मेलन को लेकर जन संपर्क अभियान जारी है। यह सम्मेलन त्रिवेणी धाम में आयोजित किया जाएगा।

इस दौरान विवाह सम्मेलन समिति त्रिवेणी धाम शाहपुरा द्वारा नवम्बर 2025 को विवाह सम्मेलन की रूपरेखा तैयार करने के लिए जनसंपर्क अभियान जारी है।

पूर्व अध्यक्ष मामराज जांगिड़ ने बताया कि समिति की कार्यकारिणी की बैठक 2.7.2025 बुधवार को विश्वकर्मा मंदिर त्रिवेणी धाम पर 11 बजे सुबह आयोजित की जा रही है। इसके लिए समिति सदस्यों ने शाहपुरा, मनोहरपुर, खोरा सहित अन्य ग्रामों में जन सम्पर्क किया।

इस मौके पर बाला सहाय चिचावा, मामराज जांगिड़, मदनलाल जांगिड़, सत्यनारायण जांगिड़, साधुराम शाहपुरा, मोहनलाल खोरा, बृजमोहन जाला मनोहरपुर, बाबूलाल धानोता, लखनलाल नायन, राधेश्याम रतनपुरा, अशोक चिंचावा, गजानन्द आमेरिया आदि उपस्थित रहे।

रकमा जिला कार्यकारिणी की मीटिंग सम्पन्न

- प्रतिभा सम्मान समारोह की अंतिम रूप रेखा तैयार

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन जिला जयपुर कार्यकारिणी की मीटिंग शुक्रवार को मुस्लिम मुसाफिर खाना में आयोजित की गई। मीटिंग की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अतीक अहमद ने की एवं जिला अध्यक्ष मोहम्मद साबिर अब्बासी ने आगामी 29 जून को हज हाउस में आयोजित होने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियों का सभी पदाधिकारियों से जायज़ा लिया।

जिला महासचिव जाहिद हुसैन ने कार्यक्रम की सभी तैयारियों से अवगत कराया।

इस मौके पर जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व महासमिति सदस्य भी मौजूद रहे। ज्ञातब्य है कि आगामी 29 जून बरोज़ शनिवार को रकमा द्वारा हज हाउस कर्बला में सुबह 10 बजे मेगावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह एवं नवीन जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण आयोजित किया जा रहा है।

"हरियालो राजस्थान" की दिशा में गृह रक्षा विभाग का सराहनीय योगदान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत गृह रक्षा विभाग द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के "हरियालो राजस्थान" के सपने को साकार करने की दिशा में शुक्रवार को गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र, जयपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महानिदेशक एवं महासमादेष्टा, गृह रक्षा मालिनी अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं गृह रक्षा स्वयंसेवकों ने परिसर एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में लगभग 200 पौधे लगाए।

कार्यक्रम में अग्रवाल ने कहा कि तेजी से बदलती जीवनशैली में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। वृक्षारोपण केवल एक कार्य नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। ऐसे अभियानों में जनभागीदारी न केवल आवश्यक है, बल्कि अत्यधिक सराहनीय भी। विभाग द्वारा राज्यभर में चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान की व्यापक सहभागिता इसे एक प्रेरणादायक उदाहरण बनाती है। उन्होंने सभी को ऑर्गेनिक लाइफस्टाइल अपनाने और अधिकाधिक वृक्ष

लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अन्त में समादेष्टा नवनीत जोशी, गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र जयपुर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

एनर्जी ट्रांजिशन की दिशा में स्वयं को बेहतर तरीके से तैयार करें विद्युत निगम - प्रमुख शासन सचिव

जयपुर, (रॉयल पात्रीक)। प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा अजिताभ शर्मा ने प्रदेश के विद्त निगमों को एनर्जी ट्रांजिशन की दिशा में और अधिक मजबूती के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्त आपूर्ति के साथ—साथ राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके मद्देनजर वितरण निगम ग्रिड के बेहतर प्रबंधन, लोड मैनेजमेंट तथा उपभोक्ता सेवाओं की त्वरित अदायगी पर फोकस करें। प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा का पदभार संभालने के बाद शुक्रवार को जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्त वितरण निगमों एवं अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशकों के साथ अपनी पहली समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को 24-7 बिजली आपूर्ति के साथ ही आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में डिस्कॉम्स योजनाबद्ध रूप से काम करें।

अजिताभ ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि कुसुम योजना में प्रदेश में बेहतर काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि एनर्जी ट्रांजिशन की दिशा में विकेंद्रित सौर ऊर्जा को और अधिक प्रतिबद्धता के साथ बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने RDSS योजना, मीटरिंग, उपभोक्ताओं को सुगम सेवाओं आदि विषयों पर भी डिस्कॉम चेयरमैन सुश्री आरती डोगरा से फीडबैक लिया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हैरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

क्वालिटी वर्क पर ध्यान दें निगम एवं केडीए अभियंता

-बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में देरी नहीं हो- जिला कलक्टर

शब्बीर हुसैन

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर पीयूष समारिया ने कहा कि शहर में हो रहे विकास कार्यों से जुड़े नगर निगम एवं केडीए के अभियंता गंभीरता से कार्य करते हुए क्वालिटी वर्क पर ध्यान दें। उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों की डीपीआर तैयार करने वाली कंसलटेंसी फर्मों को कार्य की गति बढ़ाने की हिदायत दी। साथ ही, जो कार्य पूर्ण हो चुके हैं उनका ऑपरेशन एण्ड मेंटीनेंस (ओ एण्ड एम) संभालने वाली कंस्ट्रक्शन फर्मों पर भी सख्ती बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मथुराधीश मंदिर परिक्रमा पथ एवं डाढ़देवी मंदिर के विकास कार्यों जैसी बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक रूप से देरी नहीं की जाए। समारिया शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में कोटा शहर में प्रस्तावित एवं वर्तमान में चल रहे विकास कार्यों को लेकर नगर निगम उत्तर-दक्षिण, कोटा विकास प्राधिकरण एवं स्मार्ट सिटी, पीएचईडी, पीडब्ल्यूडी से जुड़े अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने केडीए एवं निगम अधिकारियों से पूछा कि वर्तमान में कितनी डीपीआर बन रही हैं और उनका क्या स्टेटस है? केडीए अधिकारियों ने बताया कि बजट घोषणाओं में मथुराधीश मंदिर एवं डाढ़देवी मंदिर विकास कार्यों की डीपीआर तैयार कर पर्यटन विभाग को भेज दी गई है। केडीए इन कार्यों में वर्किंग एजेंसी की भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की एप्रोच रोड का कार्य पूर्ण कर दिया गया है।

जिला कलक्टर ने कहा कि विकास कार्यों की डीपीआर बना रही कंसलटेंसी फर्म एवं कार्यरत कॉन्ट्रेक्टर्स के साथ बैठक आयोजित कर उन्हें समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दें। समारिया ने बड़े तालाबों के जीर्णोद्धार से संबंधित प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर डीएलबी को भेजने के निर्देश दिए। अमृत मित्र योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को भुगतान समय पर करने के निर्देश दिए।

पौधारोपण की क्या तैयारियां हैं?

हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने वन विभाग, नगर निगम, पंचायती राज विभाग, केडीए एवं अन्य विभागों को दिए गए लक्ष्यों एवं पूर्व तैयारी के तहत खोदे गए गड्ढों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने नर्सरियों में पौधे समय पर तैयार करने के भी निर्देश दिए।

पीएम आवास योजना के तहत निर्मित आवासों एवं लाभार्थियों को किश्त भुगतान के बारे में उन्होंने निगम एवं केडीए से जानकारी ली। नगर निगम उत्तर आयुक्त अशोक त्यागी ने बताया कि पीएम आवास योजना 1.0 के तहत 713 में से 239 ही बाकी हैं। जिनके कार्य पूर्ण नहीं हुए हैं उन्हें समझाया जा रहा है कि किश्त की राशि प्राप्त करने के लिए अपने आवास पूर्ण कराएं। केडीए अधिकारियों ने बताया कि 472 लाभार्थियों को पीएम आवास योजना के तहत प्रथम किश्त दे दी गई है।

सीवरेज कार्यों की गति बढ़ाएं

समारिया ने अमृत योजना के तहत कराए जा रहे सीवरेज कार्यों की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम उत्तर से अमृत योजना में अभी तक हुए सीवरेज लाइन के कार्यों की जानकारी ली। जिला कलक्टर ने आरयूआईडीपी द्वारा फेज 1 एवं फेज 3 के तहत निगम को हस्तांतरित सीवरेज लाईनों की ओ एण्ड एम के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शहर में चल रहे सीवरेज कार्य निगम एवं केडीए के समन्वय से समय पर पूरे किए जाएं। केडीए अधिकारियों से उन्होंने प्रॉपर्टी कनेक्शन की वर्तमान स्थिति के बारे में पूछा। साथ ही, निगम अधिकारियों से सिटी में ड्रेनेज के प्लान के बारे में भी जानकारी ली। बैठक में डीएफओ अपूर्व श्रीवास्तव, प्रशिक्षु आईएएस अनुराधा चौहान, अतिरिक्त जिला कलक्टर सीलिंग कृष्णा शुक्ला, नगर निगम उत्तर आयुक्त अशोक त्यागी, एडीएम सिटी अनिल सिंघल, केडीए सचिव कुशल कोठारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिला कांग्रेस कमेटी की बूथ लेवल मीटिंग सम्पन्न

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। सिविल लाइन सवाई माधोपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष गिर्राज सिंह गुर्जर एवं सवाई माधोपुर विधानसभा प्रभारी शंकर बाजडोलिया ने मंडलों की कार्यकारिणी एवं बूथ लेवल की लिस्ट तैयार की कांग्रेस पार्टी की विधानसभा सवाई माधोपुर के मंडलों की कार्यकारिणी एवं बूथ को मजबूत करने को लेकर आवेदन तैयार किये गए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कांग्रेस जिला अध्यक्ष गिर्राज सिंह गुर्जर एवं विधानसभा प्रभारी शंकर बाजडोलिया ने कहा की जो बूथ एजेंट अभी बनाए जा रहे हैं आम चुनाव में कांग्रेस पार्टी द्वारा बूथ को संभालने का जिम्मा दिया जाएगा उनको पार्टी में स्थान दिया जाएगा जो पार्टी के लिए वफादारी के साथ ईमानदारी से काम करेगा सरकार आने पर कांग्रेस द्वारा सम्मान किया जाएगा उन्हें विशेष दर्जा दिया जाएगा बूथ एजेंट की लिस्ट 3 दिन में तैयार कर जिला कांग्रेस कार्यालय सिविल लाइंस सवाई माधोपुर में जिला अध्यक्ष गिर्राज सिंह गुर्जर या जिला संगठन महामंत्री महामंत्री हरिमोहन शर्मा को जमा करा दें।

डकैती की प्लानिंग के आरोपी को मिली जमानत

-अधिवक्ता फिरोज खान ने की पैरवी

बारां, (रॉयल पत्रिका)। थाना किशनगंज ने पांच व्यक्तियों को आरोपित करते हुए मुकदमा संख्या 102/2025 दर्ज कर धारा 310(4), 310(5) बीएनएस व 3/25, 4/25 आर्म्स एक्ट में आरोपी इतिहास, आशिक, खालिक, शारूक, राजेंद्र उर्फ राजू को गिरफ्तार कर अनुसंधान किया गया, प्रकरण में पुलिस ने आरोपियों की भीमगंज चौकी प्रताप चौराहा बारां से माथना चौराहा बारां तक गंजी कराकर प्रदर्शन भी किया गया, जिससे उक्त प्रकरण शहर में चर्चा का विषय बन गया, जिस की कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के साथ साथ शहर के अखबारों की सनसनी खबर बन गया, उक्त प्रकरण में अधिवक्ता फिरोज खान ने मुख्य आरोपी इतिहास अली और आशिक की न्यायालय में जमानत पेश कर तर्कों के आधार पर जमानत मंजूर करने का निवेदन किया गया, जिस पर जिला एव सेशन न्यायालय बारां ने जमानत मंजूर करते हुवे रिहाई के आदेश दिए, मुख्य आरोपी इतिहास और आशिक की ओर से अधिवक्ता फिरोज खान ने पैरवी की।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ विजिटर्स ने जिला कारागृह का त्रैमासिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सवाई माधोपुर देवेंद्र दीक्षित की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ विजिटर्स द्वारा शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रिट पिटीशन संख्या 1404/2023 सुकन्या सांथा बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया एवं अन्य में दिए गए निर्देशों की पालना में जिला कारागृह सवाई माधोपुर का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान कुल 103 बंदी उपस्थित पाए गए, देवेंद्र दीक्षित अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर एवं बोर्ड ऑफ विजिटर्स द्वारा बंदियों से वार्ता कर जाति या धार्मिक आधार पर रसोईघर या भोजन पकाने का प्रबंधन, जाति या धार्मिक आधार पर बंदियों को दिया जाने वाला विशेष उपचार एवं बंदियों के समूह का वर्गीकरण, जेल के अंदर पंजीकृत विचाराधीन या दोषी बंदियों से संबंधित रजिस्टर में जाति का कॉलम तथा जाति, लिंग व विकलांगता के आधार पर बंदियों के साथ भेदभाव आदि के संबंध में पूछताछ कर उनकी समस्याओं को सुना गया। निरीक्षण के दौरान जिला कारागृह में जाति या धार्मिक आधार पर बंदियों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना पाया गया।

साथ ही बोर्ड का विजिटर्स द्वारा मौके पर उपस्थित उपाधीक्षक जिला कारागृह महावीर प्रसाद मीणा से जिला कारागृह की भौतिक संरचना, नए प्रवेश करने वाले बंदियों के नाम एवं पता, उनके मुकदमों, संबंधित थाना एवं न्यायालय आदि के संबंध में पूछताछ की गई। साथ ही प्रिजन लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से बंदियों को प्राप्त विधिक सहायता तथा जेल विजिटिंग लॉयर एवं जेल विजिटिंग अधिकार मित्र द्वारा की गई कार्यवाही, बंदियों को प्रदान की जाने वाली भोजन, पेयजल एवं चिकित्सकीय सुविधाओं आदि के संबंध में पूछताछ की गई। जिला कारागृह में क्षमता से अधिक बंदी होने के कारण बंदियों द्वारा गर्मी एवं उमस की शिकायत की गई, गर्मी एवं उमस की समस्या के समाधान हेतु बोर्ड ऑफ विजिटर्स द्वारा उपाधीक्षक जिला कारागृह महावीर प्रसाद मीणा को आवश्यक कदम उठाने हेतु निर्देशित किया गया।

दौराने निरीक्षण बोर्ड ऑफ विजिटर्स के सदस्यों में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (लिंक अधिकारी) आशुतोष सिंह आढ़ा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अनिल जैमिनी, अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग गोविंद सहाय मीणा, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) हरकेश मीना, संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार कमल पहाड़िया तथा उपनिदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मीना आर्य उपस्थित रहे। साथ ही चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल राधेश्याम जोगी, डॉ. मनोज गर्ग एवं जेल स्टाफ भी निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहे।

नये इस्लामी साल के चांद को देखने के लिए दरगाह में उमड़ा जनसैलाब

कपासन, (रॉयल पत्रिका)। कपासन प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह शरीफ पर इस्लामी नये साल 1447 हिजरी, नौ चंदी जुमेरात पर जायरीने दीवाना का उमड़ा सैलाब 25 मोहरर्म सोमवार को पेश होगा अलम शरीफ।

दरगाह हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. के ऑफिस सैक्रेट्री शफी मोहम्मद छीपा के अनुसार गुरूवार को सुबह से ही जायरीन का आना शुरू हो गया। दर्शन हेतु लम्बी-लम्बी कतारे लगी अहाता-ए-नूर में महफिले मिलाद का प्रोग्राम हुआ एवं कव्वाल हज़रात ने बारी-बारी से अपने कलाम पेश किए। मेला ग्राउण्ड मे 300 से उपर दुकाने लगी। सांयकाल चिराग बत्ती के समय मुल्क में अमनो सुकून की दुआ की तो आमीन-आमीन की सदा से दरगाह परिसर गूंज उठा।

25 मोहरर्म सोमवार 21 जुलाई को आस्ताना-ए-आलिया एवं बुलन्द दरवाजा पर बाद नमाज़े असर के अलम शरीफ पेश करने की रस्म अदा की जाएगी। 6 सफर से 8 सफर तक, इन्शाअल्लाह 01 अगस्त से उर्स शुरू होकर 03 अगस्त को कुल की फातिहा के साथ 84वां उर्स सम्पन्न होगा।

अन्तर्राष्ट्रीय नशामुक्ति दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिले में अन्तर्राष्ट्रीय नशामुक्ति दिवस पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करेला रोड़ स्थित मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. गौरव मनोचिकित्सक ने आमजन को नशे के प्रकार, नशे की लत के पनपने के कारण, नशा से बचने के उपाय, नशे से होने वाले दुषप्रभाव के बारे में जानकारी दी गई। उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मीना आर्य ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए लोगों को नशा न करने हेतु प्रेरित किया तथा लोगो से उक्त अभियान को सफल बनाने हेतु भागीदार बनने को कहा।

जिला प्रशासन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं शुभद्वीप ग्रुप सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में जिले में नशामुक्त भारत अभियान के तहत 1 से 26 जून तक ब्लॉक स्तर एवं ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति के दिवस में उक्त अभियान अन्तर्गत जिले के महत्वपूर्ण स्थानों पर नशा मुक्ति रैली एवं नशा मुक्ति एनएमबीए वाहन के द्वारा जगजागरूकता का कार्यक्रम किया गया। उप निदेशक मीना आर्य ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संस्था द्वारा जिले में अम्बेड़कर सर्किल, शहीद कैप्टन रिपुदमन सिंह महाविघालय एवं रणथम्भौर सर्किल पर नुक्कड़ नाटकों का आयोजन कर आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी तथा नशा न करने हेतु प्रेरित किया।

जिला बैडमिंटन संघ झुंझुनूं की बैडमिंटन एकेडमी में होगा जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन

- 28 व 29 जून को खेले जाएंगे बैडमिंटन के सलेक्शन और ट्रायल मुकाबले

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान बैडमिंटन संघ जयपुर से सम्बद्ध जिला बैडमिंटन संघ झुंझुनूं द्वारा झुंझुनूं में जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन दिनांक 28 व 29 जून को किया जाएगा जिसमे प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह शनिवार को प्रातः 9 बजे आयोजित किया जाएगा।

जिला बैडमिंटन संघ के मुख्य संयोजक विकास तुलस्यान ने बताया कि प्रतियोगिता की लगभग सभी तैयारियां पूरी है। पिछले कई वर्षों से झुंझुनूं बैडमिंटन संघ सफलता पूर्वक अनेक बैडमिंटन चैम्पियनशिप का आयोजन करता आ रहा है। संघ का उद्देश्य है कि जिले की प्रतिभाएं बैडमिंटन में बेहतरीन प्रदर्शन कर राज्य एवं जिले का नाम रोशन करें।

उन्होंने बताया कि इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में गर्ल्स और बॉयज एकल के अंडर 11,13,15,17 व 19 आयु वर्ग के, मिक्स डबल्स के अंडर 15,17, 19 एवं सीनियर वर्ग के, महिला व पुरुष सीनियर तथा वेटरन्स के मुकाबले खेले जाऐंगे। इस प्रतियोगिता में हर आयु वर्ग में विजेता रहने वाले सभी एकल, युगल तथा मिश्रित युगल का चयन राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए होगा। उन्होंने बताया कि सिंगल्स के लिए एंट्री फीस 250 रू. तथा डबल्स के लिए 500 रू. संघ द्वारा निर्धारित की गई है।

पाली जिले में संचालित हैं 129 आधार केन्द्र

-सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने किया समाचार का खंडन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। शुक्रवार को एक स्थानीय समाचार पत्र में प्रकाशित खबर "शहर के आधार सेंटरों पर भीड़, गांवों में नेटवर्क की समस्या" का सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा खंडन किया गया है।

संयुक्त निदेशक राजेश कुमार चौधरी ने स्पष्ट किया कि समाचार में पाली जिले में मात्र 35 आधार केन्द्र संचालित होने की जो बात कही गई है, वह तथ्यात्मक रूप से गलत है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिले में कुल 129 आधार केन्द्र संचालित हैं। इनमें सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के 35 ईसीएमपी आधार केन्द्र, 41 आधार ऑपरेटर एवं 14 बाल आधार नामांकन केन्द्र कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त सीएससी, बैंक, पोस्ट ऑफिस सहित 74 अन्य आधार केन्द्र भी जिले में सेवाएं दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सभी केन्द्रों पर नामांकन, अद्यतन और बायोमेट्रिक कार्यों के लिए निर्धारित दरें प्रदर्शित की जाती हैं। यदि किसी केन्द्र पर तय राशि से अधिक वसूली की जाती है, तो इसकी शिकायत जिला या ब्लॉक कार्यालय में अथवा 181 टोल फ्री नंबर पर की जा सकती है। संभावित अनियमितताओं की रोकथाम के लिए विभाग द्वारा मई माह में 12 आधार केन्द्रों का औचक निरीक्षण भी किया गया।

चांद दिखने पर इस्लामी साल शुरु, 1500 साला मीलादुन्नबी का इस्तकबाल

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। मोहर्रम का चांद दिखने पर इस्लामी साल शुरू होता है, इस्लामी केलेण्डर के मुताबिक 5 सितम्बर 2025 को इस्लाम के पैगम्बर का जन्म को 15 सौ साल हो रहे हैं। नये साल के पहले दिन 15 सौ साला मीलादुन्नबी को हर्षोल्लास के साथ मनाने के लिए आज दरगाह अहमद अली शाह बाबा पर 15 सौ साला मीलादुन्नबी का इस्तकबाल मौलाना फज्ले हक सरपरस्त तंज़ीम उलमा व अइम्माए मसाजिद शहर कोटा की अध्यक्षता में की गई। जिनमें मौलाना सईद मुख्तार, मौलाना अलाउद्दीन, मुफ्ती शहबाज़ आलम, मुफ्ती काज़िम, मौलाना कमरूद्दीन अशरफी, मुफ्ती नौशाद आलम, हाफिज़ मोहम्मद हनीफ, हाफिज नसीम व सदर ईद मीलादुन्नबी मोहम्मद उमर, फजुर्रहमान व शहर के उलमा व इमामों व मीलाद कॉन्सिल के ओहदेदारान ने शिर्कत कर मुबारकबाद दी।

मिलाद कॉन्सिल कोटा के सदर सय्यद सैफ अली ने बताया कि विश्व पैमाने पर आलमी मीलादुन्नबी कोटा में होगी जिनकी तैयारियों शुरू करदी गई

कॉन्फ्रेन्स का उदेश्य पैगम्बरे इस्लाम की अमन व शांति की जीवनी पेश करके नेकी के रास्ते पर चलाना है।

बैठक के बीच पहुंचे नेत्रहीन दंपति को शिक्षा मंत्री ने दिया सहारा

-संवेदनशीलता का परिचय देते हुए लगाया इच्छित स्थान पर

बाड़मेर, (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को फिर एक बार विशेष योग्यजनों के प्रति अपनी संवेदनशीलता और सद्भावना का परिचय देते हुए एक नेत्रहीन दंपति को उनके इच्छित स्थान पर पद स्थापना देकर उसकी इच्छा पूरी की। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पंचायती राज विभाग के अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। तभी अचानक एक नेत्रहीन दंपति बीच बैठक में मंत्री दिलावर से मिलने आए। सुरक्षा कर्मियों ने दोनों को रोकने का प्रयास किया तो मंत्री ने उन्हें रोकते हुए दोनों को अंदर बुला लिया। पूछने पर नेत्रहीन दीपक कुमार ने बताया कि वह श्रीगंगानगर जिले का रहने वाला है। वह शिक्षा विभाग में अध्यापक लेवल प्रथम विशेष शिक्षा वीआई के पद पर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जगमाल का ताला, ग्राम पंचायत मांगता, ब्लॉक धोरीमना, जिला बाड़मेर में पद स्थापित है। यह उसके गृह जिले श्रीगंगानगर से 700 किलोमीटर दूर है। इस कारण उसे घर आने जाने में काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। उसकी पत्नी भी 100 प्रतिशत नेत्रहीन है। ऐसे में गृह जिले से 700 किलोमीटर दूर बाड़मेर में सेवा देना उसके लिए चुनौतीपूर्ण है। इस पर शिक्षा मंत्री ने सहानुभूतिपूर्वक दीपक कुमार से पूछा कि तुम कहां लगना चाहते हो बताओ। तुम्हारे इच्छित स्थान पर ही तुम्हें लगा देंगे। दीपक ने कहा कि राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय अशोकनगर जिला श्रीगंगानगर उसके घर के नजदीक है। कृपया कर उसे वहां लगा दिया जाए। इस पर शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने तत्काल दीपक कुमार को उसके घर के नजदीक राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय, अशोक नगर, श्रीगंगानगर में लगाने के आदेश जारी किए। बैठक में उपस्थित मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्रीगंगानगर को निर्देश दिए कि दीपक कुमार को श्रीगंगानगर में पोस्टिंग दिलवाएं और बाड़मेर में उसके वर्तमान पदस्थापना स्थान से रिलीव करने की प्रक्रिया में मदद करें। इच्छित स्थान पर पदस्थापन मिलने पर नेत्रहीन दंपत्ति ने शिक्षा मंत्री का आभार प्रकट किया।

मौलाना आज़ाद विवि की ओर से अलवीरा अब्बासी का हुआ सम्मान

-12वीं कला वर्ग में 93.60 प्रतिशत अंक हासिल किए

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी की ओर से छात्रा अलवीरा अब्बासी का 12वीं कला वर्ग में 93.60 अंक हासिल करने पर खास सम्मान किया गया।

कौम अब्बासियान जोधपुर के पूर्व सचिव एवं मरूधरा जॉइन्ट एवं स्पाइन हॉस्पिटल के मैनेजर बाबू खान अब्बासी ने बताया कि भांजी अलवीरा, कमला नेहरू नगर स्थित फिरोज खान मेमोरियल गर्ल्स सीनियर सैकेण्डरी स्कूल की कक्षा 12वीं की कला वर्ग की छात्रा है इनके पिता मोहम्मद नासिर ठेले पर चाय का व्यवसाय करते है तथा इनकी माता जुबैदा बानो गृहणी है। उन्होंने बताया कि अलवीरा शुरू से ही पढने में रूचि रखने वाली छात्रा रही हैं लेकिन आर्थिक रूप से सक्षम नही होने के बावजूद भी मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक के निरन्तर विशेष सहयोग से अलवीरा ने आज ये उपलब्धि हासिल की है। अलवीरा अब आगे भी इनकी सरपरसती में यूनिवर्सिटी के बीए बीएड पाठ्यक्रम की छात्रा बनकर प्रतियोगी परीक्षाओं तथा शिक्षक बनने की तैयारी पूर्ण करेगी। अलवीरा को ये सम्मान यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक, प्रेसिडेंट डॉ. जमील काज़मी, यूनिवर्सिटी बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट मेम्बर निसार अहमद खिलजी व समाजसेवी अब्दुल सत्तार ने प्रदान किया। बाबू खान अब्बासी एवं अलवीरा ने सभी का शुक्रिया अदा किया।

अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं के लिए नि:शुल्क छात्रावास सुविधा प्रवेश के लिए 15 जुलाई तक करें आवेदन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। अल्पसंख्यक मामलात विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा सवाई माधोपुर जिले में अल्पसंख्यक समुदायों मुस्लिम, सिख, जैन, पारसी, बौद्ध एवं ईसाई के छात्र-छात्राओं के लिए निःशुल्क छात्रावास सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मनोज कुमार मीना ने बताया कि यह सुविधा कक्षा 9 से लेकर उच्चतर कक्षाओं (शैक्षणिक एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों) में नियमित अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत बालक छात्रावास सवाई माधोपुर एवं गंगापुर सिटी मुख्यालय पर एवं बालिका छात्रावास का संचालन सवाई माधोपुर मुख्यालय पर उपलब्ध है। सुसज्जित एवं सुविधायुक्त कमरे:- उन्होंने बताया कि छात्रावासों में सुसज्जित एवं सुविधायुक्त पंखे, वॉटर कूलर, टेबल-कुर्सी, अलमारी, बिस्तर, निःशुल्क पौष्टिक नाश्ता एवं भोजन निजी उपयोग की सामग्री, स्कूल यूनिफार्म, जूते-मोजे हेतु स्टाईपण्ड 2250 रूपये इत्यादि सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। छात्रावासों का संचालन 1 अगस्त, 2025 से किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी 1 जुलाई से 15 जुलाई, 2025 तक कार्यालय जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सवाई माधोपुर में आवेदन कर सकते है। साथ ही छात्रावासों में निःशुल्क प्रवेश हेतु आवेदन पत्र www.minority.rajasthan.gov.in से अथवा कार्यालय जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सवाई माधोपुर से निःशुल्क प्राप्त कर सकते है।

टाटा एआईए के दो नए फंड्स धन जुटाने और रिटायरमेंट प्लानिंग की ज़रूरतों को पूरा करेंगे

मुंबई, एजेंसी। दुनिया की चौथी सबसे सबसे बड़ी वित्त व्यवस्था बनने की दिशा में भारत के बढ़ते कदमों का साथ देते हुए, देश की एक अग्रणी जीवन बीमा कंपनी टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स आपके लिए लेकर आयी है जीवन बीमा से जुड़े निवेश उत्पादों के जरिए आपके धन को बढ़ाने और और आपके भविष्य को सुरक्षित करने का एक मजबूत अवसर। भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि कई अवसर प्रदान करती है, भारत की वृद्धि के पूरे लाभ उठाने के लिए डिजाइन किए गए दो नए फंड्स के साथ इस क्षमता का उपयोग करने में आपकी मदद के लिए हम तैयार हैं। टाटा एआईए टॉप 200 अल्फा 30 इंडेक्स फंड और टाटा एआईए टॉप 200 अल्फा 30 पेंशन फंड इन ट्रेंड्स का लाभ उठाने के लिए स्ट्रैटेजीकली डिज़ाइन किए गए हैं। ये फंड भारत की विकास कहानी से लाभ उठाने के लिए तैयार कंपनियों में निवेश करते हैं। चाहे आप अपनी संपत्ति बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हों या एक मजबूत रिटायरमेंट फंड बनाने पर, ये फंड प्रदर्शन, सुरक्षा और विकास का आदर्श संयोजन प्रदान करते हैं।

टाटा एआईए के अल्टेरनेट एंड इमर्जिंग चॅनेल्स के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर, जीलानी बाशा ने बताया, भारत परिवर्तनात्मक वित्तीय वृद्धि के लिए तैयार है, ऐसी वृद्धि जो कई दशकों तक चलने की उम्मीद है। हमारे नए फंड बढ़िया जोखिम-समायोजित रिटर्न्स देने के लिए, गहन डेटा विश्लेषण के साथ, इस आकर्षक अवसर का लाभ उठाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। ये फंड सकारात्मक वृद्धि ट्रेंड से लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, निवेशकों को लक्षणीय दीर्घकालिक मूल्य देकर उनकी वित्तीय सुरक्षा में लगातार सुधार करते हैं।

नेटफ्लिक्स ने 'आप जैसा कोई' का ट्रेलर जारी किया

मुंबई, एजेंसी। जब एक शांत 42 वर्ष के पुरुष का सामना अपने उस पहलू से होता है, जिसके बारे में वह कभी जानता ही नहीं था, तब उसके द्वारा अपने जीवन के नियमों को दोबारा लिखने की शुरुआत होती है, फिर इसके बाद क्या होता है? नेटफ्लिक्स ने आप जैसा कोई का ट्रेलर जारी किया है। इसमें आर. माधवन श्रीरेणु त्रिपाठी और फातिमा साना शेख मधु बोस के किरदार में हैं। यह सुखद फैमिली ड्रामा सबसे अप्रत्याशित परिस्थितियों में 'बराबरी वाला प्यार' खोजने के अपनेपन, संबंध और सुंदरता को पेश करता है। इस फिल्म में जमशेदपुर और कोलकाता के दो अलग-अलग समाजों में रहने वाले किरदारों की कहानी दिखाई गई है। अपनी आदत और परंपरा का दृढ़ता से पालन करने वाला श्रीरेणु पुरुषत्व, अपनेपन और भावनात्मक अभिव्यक्ति को नए सिरे से तलाशने की शुरुआत करता है। वहीं मधु एक साहसी महिला है, जो खुद को समाज के बनाए गए ढांचों में नहीं ढालना चाहती है। श्रीरेणु को मधु में एक रोमांटिक पार्टनर तो मिल जाता है, पर वह उसकी अपनी शर्तों का आईना भी है। इन दोनों का पारिवारिक अपेक्षाओं और भावनात्मक दायित्वों का सफर शुरू होता है। साथ ही उन्हें सामाजिक मान्यतों के बोझ को भी झेलना पड़ता है। आप जैसा कोई केवल रोमांस की कहानी नहीं, बल्कि महिलाओं के अधिकारों को वापस पाने की कहानी बन जाती है।

आप जैसा कोई में माधवन ने लंबे इंतजार के बाद रोमांस की शैली में वापसी की है। इसमें वो फातिमा साना शेख के साथ एक ऐसी कहानी लेकर आए हैं, जो आंतरिक स्वतंत्रता और 'बराबरी वाला प्यार' का असली मतलब पेश करती है। इसका निर्देशन विवेक सोनी (मीनाक्षी सुंदरेश्वर) ने और निर्माण धर्मेटिक एंटरटेनमेंट ने किया है। इस फिल्म में आयशा रजा, मनीष चौधरी और नमित दास आदि ने भी सशक्त अभिनय किया है। हर किरदार ने परिवार, पहचान, पितृसत्ता, और भावनात्मक सच्चाई की उन बारीकियों का चित्रण बहुत खूबसूरती से किया है, जो अक्सर हमें स्वयं नहीं मालूम होती हैं।

भारत में करोड़पतियों की संख्या में भारी उछाल

2029 तक 55 प्रतिशतवृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में करोड़पतियों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की एक हालिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2024 से 2029 के बीच करोड़पतियों की संख्या में 55 प्रतिशत की बढ़ोतरी की संभावना है। यह दर वैश्विक औसत 21 प्रतिशत से कहीं अधिक है। ऐसे लोग जिनके पास एक मिलियन डॉलर यानी लगभग 8.3 करोड़ रुपये या उससे अधिक की निवेश योग्य संपत्ति है, उन्हें इस श्रेणी में रखा जाता है।

एशिया प्रशांत यूरोपीय देशों से आगे- बीसीजी के प्रबंध निदेशक मयंक झा ने कहा कि 2014 से 2024 तक क्षेत्रवार जैविक वृद्धि में भारी अंतर रहा। एशिया प्रशांत क्षेत्र में संपत्ति प्रबंधकों ने 50 प्रतिशत की दर हासिल की है। यह यूरोप, पश्चिम एशिया और अफ्रीका (ईएमईए) और उत्तरी अमेरिका की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है। इसे निर्णायक रूप से भारत जैसे उभरते बाजारों से बढ़ावा मिला है। झा ने कहा कि पहली बार संपत्ति बनाने वालों, खासतौर पर मिलेनियल उद्यमियों और कॉर्पोरेट नेताओं की पीढ़िगत लहर उद्योग को नया आकार दे रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जनरेटिव एआई संपत्ति प्रबंधन के हर पहलू ग्राहक पहचान, सेवा, और सलाह में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

वित्तीय परिसंपत्तियों में हुई 8.1 प्रतिशत की वृद्धि - वैश्विक वित्तयी संपत्ति 2024 में रिकॉर्ड 305 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ गया।

यह मजबूत इक्विटी बाजार प्रदर्शन के बीच वित्तीय परिसंपत्तियों में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि से प्रेरित है। बीसीजी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की वित्तीय संपत्ति में 10.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र के औसत 7.3 प्रतिशत से अधिक है। एशिया- प्रशांत में 2029 तक 9 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि होने का अनुमान है।

आईआईएम संबलपुर ने ओडिशा के सतत नेट-जीरो भविष्य के विजन का नेतृत्व किया

संबलपुर, एजेंसी। स्थिरता, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, आईआईएम संबलपुर ने काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर और यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड के साथ मिलकर ओडिशा के आर्थिक परिवर्तन की यात्रा में नेतृत्वकारी भूमिका निभाई है। इकोनॉमिक ट्रांजिशन कोएलिशन ओडिशा के माध्यम से, आईआईएम संबलपुर राज्य में नौकरियों, विकास और स्थिरता को एकीकृत करने की एक रणनीतिक योजना को साकार करने में जुटा है। ईटीसीओ द्वारा प्रकाशित एक श्वेत पत्र के माध्यम से, यह गठबंधन आईआईएम संबलपुर की गहरी स्थानीय विशेषज्ञता, ओडिशा के उद्योग और शैक्षणिक नेताओं की भागीदारी, और भारत व अन्य क्षेत्रों में ऊर्जा बदलाव की दिशा में इन्नस-के कार्यों से प्राप्त अंतर्दृष्टियों का लाभ उठाता है। यह साझेदारी पांच-स्तरीय रणनीति को उजागर करती है जिसमें शामिल हैं-उच्च और समान आय, सतत खाद्य प्रणाली, जलवायु लचीलापन, जैव विविधता की शून्य हानि और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में नेट-जीरो लक्ष्य। आईआईएम संबलपुर के निदेशक प्रो. महादेव जायसवाल ने कहा, आईआईएम संबलपुर में सस्टेनेबिलिटी केवल इमारतों या रैंकिंग तक सीमित नहीं है। जैसा कि हम जानते हैं कि ओडिशा भारत के वैश्विक सतत विकास की कहानी का नेतृत्व करने के लिए एक ऐतिहासिक क्षण के मुहाने पर है। इस गठबंधन में भागीदार के रूप में आईआईएम संबलपुर की भूमिका इस बात का एक आदर्श उदाहरण है कि कैसे शिक्षाविद नीति को प्रभावित कर सकते हैं और उद्योग से लेकर हर जगह गहरा बदलाव ला सकते हैं। ईटीसीओ में एक प्रमुख भागीदार के रूप में, आईआईएम संबलपुर नीतिगत कार्यों और रणनीतिक रूपरेखाओं की पहचान करने में सहायक रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ओडिशा हरित विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और समावेशी विकास का केंद्र बन जाए, जिसमें खनन और तापीय क्षेत्रों में श्रमिकों के लिए संक्रमण रणनीति, हरित इस्पात, कार्बन कैप्चर और हाइड्रोजन-आधारित ऊर्जा प्रणालियों जैसी हरित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना शामिल है।

मुकेश अंबानी और गौतम अडानी ने मिलाए हाथ पेट्रोल-डीजल से ह्हल तक बेचने के लिए डील

मुंबई। गौतम अडानी की कंपनी अडानी टोटल गैस और मुकेश अंबानी के ज्वाइंट वेंचर रिलायंस बीपी मोबिलिटी के बीच बड़ी डील हुई है। इन दोनों कारोबारियों के फर्म ने एक-

दूसरे के फ्यूल रिटेल नेटवर्क का लाभ उठाकर वाहन ईंधन बेचने के लिए साझेदारी की है। बता दें कि ब्रिटेन की बीपी के साथ अंबानी के जियो का ज्वाइंट वेंचर जियो-बीपी है।

क्या कहा गया बयान में- एक ज्वाइंट स्टेटमेंट में बताया गया है कि जियो-बीपी, अडानी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) की सीएनजी खुदरा दुकानों पर पेट्रोल और डीजल डिस्पेंसर लगाएगा। इसके साथ ही, अडानी समूह और फ्रांस की टोटल एनर्जीज का शहरी गैस वितरण संयुक्त उद्यम - एटीजीएल, जियो बीपी के ईंधन स्टेशनों पर सीएनजी डिस्पेंसर लगाएगा। इस साझेदारी के तहत समूह की मौजूदा और भविष्य की, दोनों इकाइयां आएंगी। बयान के मुताबिक इस डील के तहत चुनिंदा एटीजीएल फ्यूल आउटलेट जियो-बीपी के पेट्रोल और डीजल की पेशकश करेंगे, जबकि चुनिंदा जियो-बीपी ईंधन आउटलेट एटीजीएल के अधिकृत भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) के भीतर एटीजीएल के सीएनजी डिस्पेंसर को एकीकृत करेंगे। इस प्रकार परिवहन उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले ईंधन की आपूर्ति बढ़ाई जाएगी। बता दें कि जियो-बीपी के पास देशभर में 1,972 पेट्रोल पंप हैं, जबकि एटीजीएल 34 भौगोलिक क्षेत्रों में 650 सीएनजी स्टेशनों का नेटवर्क संचालित करती है।

अपील का भ्रम खत्म, जीएसटी पर नए नियम से व्यापारियों को मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने जीएसटी खुफिया निदेशालय द्वारा जारी नोटिसों से संबंधित निर्णयों को चुनौती देने के लिए नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत ऐसे नोटिस से जुड़े फैसलों की जांच, बदलाव या अपील सुनने की जिम्मेदारी विशेष रैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई है। इससे कारोबारियों को अब यह भ्रम नहीं रहेगा कि अपील के लिए किस अधिकारी के पास जाना है। यह कदम अनिश्चितता को दूर करने और जीएसटी प्रणाली में सुधार लाने के उद्देश्य से उठाया गया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने इस संबंध में नया आदेश जारी कर दिया है। इसके तहत स्पष्ट किया गया है कि डीजीजीआई द्वारा जारी नोटिसों पर विभागीय फैसलों के खिलाफ अपील और समीक्षा किन अधिकारियों के पास की जाएगी।

जमीन भारत की, बिल्डिंग जापान की, कंपनी अमेरिका की... किराया 1000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई में इस समय काफी कंपनियां भारी-भरकम किराए पर ऑफिस ले रही हैं। अब फाइनेंस कंपनी जेपी मॉर्गन ने भी मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में एक बहुत बड़ी जगह किराए पर ली है। यह जगह जापानी कंपनी सुमितोमो के एक बन रहे ऑफिस टावर में है। जेपी मॉर्गन अमेरिका की कंपनी है। जेपी मॉर्गन ने 1,16,210 वर्ग फुट से ज्यादा की जगह 10 साल के लिए किराए पर ली है। जेपी मॉर्गन इस जगह का इस्तेमाल ऑफिस के तौर पर करेगा और इसके बदले सुमितोमो को किराया देगा। यह लीज 10 साल के लिए है। जेपी मॉर्गन चाहे तो इसे 5-5 साल के लिए तीन बार और बढ़ा सकता है। इस तरह, यह लीज कुल 25 साल तक चल सकती है।

तो बन जाएगा रेकॉर्ड

अनुमान है कि जेपी मॉर्गन पहले 10 सालों में लगभग 1,000 करोड़ रुपये किराया देगा। अगर यह लीज 25 साल तक चलती है तो कुल किराया 2,500 करोड़ रुपये से भी ज्यादा हो सकता है। इससे यह सौदा देश के सबसे महंगे प्रॉपर्टी मार्केट में से एक बन गया है।

जापान की है बिल्डिंग

यह ऑफिस बीकेसी के ल ब्लॉक में बन रही बिल्डिंग की 11वीं और 12वीं मंजिल पर है। यह जमीन सुमितोमो रियल्टी एंड डेवलपमेंट कंपनी की भारतीय शाखा गोइसु रियल्टी से ली गई है। यह जानकारी प्रॉपर्टी के बारे में जानकारी देने वाली कंपनी प्रॉपस्टैक के दस्तावेजों से मिली है। कुछ लोगों का कहना है कि यह नया ऑफिस जेपी मॉर्गन का इंडिया का हेड ऑफिस होगा। उनके अनुसार जेपी मॉर्गन के इंडिया के सारे बड़े काम यहीं से होंगे।

60 करोड़ से ज्यादा सिक्योरिटी डिपॉजिट

लीज एग्रीमेंट के अनुसार जेपी मॉर्गन इंडिया हर महीने 6.91 करोड़ रुपये किराया देगा। यह किराया 595 रुपये प्रति वर्ग फुट के हिसाब से है। हर तीन साल में किराए में 15 प्रतिशतकी बढ़ोतरी होगी। कंपनी ने 62.23 करोड़ रुपये सिक्योरिटी डिपॉजिट के तौर पर दिए हैं। यह पैसा इसलिए दिया जाता है ताकि अगर कंपनी को कोई नुकसान हो तो उसकी भरपाई की जा सके। यह सौदा 12 जून को हुआ था।

जापानी कंपनी की भूमिका

सुमितोमो बीकेसी में 3 एकड़ जमीन पर एक ऑफिस टावर बना रहा है। इसमें 6 बेसमेंट, एक ग्राउंड फ्लोर और 12 मंजिलें होंगी। सुमितोमो ने यह जमीन मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी से 2,067 करोड़ रुपये में 80 साल के लिए लीज पर ली है। गोइसु रियल्टी ने यह जमीन 80 साल के लीज एग्रीमेंट के तहत ली है। कंपनी ने 2019 में सबसे ज्यादा बोली लगाई थी, लेकिन डील को पूरा होने में चार साल से ज्यादा लग गए।

अमेरिकी कंपनियों के लिए खास बन रहा भारत- इंडिया अब अमेरिकी कंपनियों के लिए एक खास जगह बनता जा रहा है। अमेरिका की कंपनियां लगातार इंडिया में अपने ऑफिस बढ़ा रही हैं। मुंबई से लेकर बेंगलुरु तक, अमेरिकी कंपनियां इंडिया के कमर्शियल रियल एस्टेट सेक्टर को बदल रही हैं। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की कंपनी टेस्ला भी मुंबई में अपना ऑफिस शुरू करने जा रही है। टेस्ला ने ऑफिस बनाने का काम शुरू भी कर दिया है।

इंटेरियो ने फर्नीचर शॉपिंग को दी एक नई पहचान - आधुनिक भारतीय घरों और बदलती जीवनशैली के अनुरूप नया अनुभव

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइजेज समूह की एक इकाई और भारत के प्रमुख फर्नीचर ब्रांडों में से एक इंटेरियो ने भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती पसंद और स्मार्ट, व्यक्तिगत जीवनशैली की मांग को ध्यान में रखते हुए फर्नीचर शॉपिंग को एक नया रूप दिया है। ब्रांड ने भावनात्मक डिज़ाइन, क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और तकनीक के एकीकरण के ज़रिए उपभोक्ता अनुभव को और भी सशक्त बनाया है। इंटेरियो अपने ओम्नीचैनल मॉडल को मजबूत कर रहा है ताकि हर टचपॉइंट पर एक समान और सार्थक अनुभव मिल सके। उपभोक्ता

व्यवहार को गहराई से समझने के लिए, इंटेरियो ने न्यूरोह्यू के ब्रेन लैब के साथ साझेदारी की है। इस पहल के तहत उपभोक्ताओं की आंखों की गति और हृदय गति जैसे बॉयोमेट्रिक रिस्पॉन्स को ट्रैक कर यह समझा जा रहा है कि पहली नजर में कौन-से डिज़ाइन उन्हें आकर्षित करते हैं। इन जानकारियों के आधार पर प्रोडक्ट डिज़ाइन तैयार किए जा रहे हैं।

चॉइस इंटरनेशनल इंदौर में अपनी प्रमुख निवेशक जागरूकता पहल लाया

इंदौर। चॉइस इंटरनेशनल लिमिटेड के ब्रोकिंग वर्टिकल, चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग ने ज़ी बिज़नेस के सहयोग से इंदौर में एक निवेशक जागरूकता पैनल का आयोजन किया। यह पैनल कंपनी की प्रमुख निवेशक शिक्षा पहल भरोसे की चॉइस का हिस्सा था, जिसे नवंबर 2024 में लॉन्च किया गया था। शेरेटन ग्रैंड पैलेस - इंदौर में आयोजित यह कार्यक्रम पावर ऑफ इक्विटी- योर गेटवे टू लॉन्ग-टर्म वेल्थ (इक्विटी की शक्ति- लंबी अवधि के धन का आपका प्रवेश द्वार) विषय पर केंद्रित था और इसने सूचित निवेश और वित्तीय साक्षरता के महत्व को निवेशक संरक्षण और लंबी अवधि के धन सृजन के लिए महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उजागर किया। इस पैनल में ज़ी बिज़नेस के मैनेजिंग एडिटर श्री अनिल सिंघवी और चॉइस इंटरनेशनल लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री कमल पोद्दार शामिल थे। उपस्थित लोगों को विशेषज्ञों के साथ सीधे जुड़ने का अवसर मिला, जिन्होंने निवेशकों की प्रमुख चिंताओं को संबोधित किया और बाजार जोखिमों से निपटने और स्थायी धन बनाने के लिए व्यावहारिक रणनीतियां साझा कीं।

भरोसे की चॉइस निवेशकों और उद्योग विशेषज्ञों के बीच संवाद के लिए विश्वसनीय स्थान बनाते हुए एक राष्ट्रव्यापी पहल के रूप में विकसित हुई है। चाहे पहली बार निवेश करने वाले हों या अनुभवी प्रतिभागी, इस अभियान का उद्देश्य पूरे भारत में विश्वास और वित्तीय सशक्तिकरण की संस्कृति का निर्माण करना है। इंदौर का कार्यक्रम इस मिशन में एक और कदम था, जिसने आज के बदलते निवेश परिदृश्य में व्यावहारिक समझ और आत्मविश्वास को बढ़ावा दिया।

भारत भर में 194 शाखाओं के साथ, चॉइस इंटरनेशनल अपने विशिष्ट फिजिटल (डिजिटल और फिजिकल का मिश्रण) मॉडल के माध्यम से डिजिटल पहुंच को स्थानीय विशेषज्ञता के साथ जोड़ना जारी रखे हुए है।

गोदरेज भारत में सुरक्षा समाधानों के लिए बना हुआ है पसंदीदा ब्रांड

शहरी इलाकों में 15 प्रतिशत बाज़ार हिस्सेदारी का लक्ष्य

● प्रमाणित सुरक्षा समाधानों, नवोन्मेष और स्मार्ट प्रौद्योगिकी के ज़रिये उपभोक्ता विश्वास को बढ़ावा दिया जा रहा ● वित्त वर्ष 2025 में 1200 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित किया

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइज़ेज़ ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय ने वित्त वर्ष '25 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1200 करोड़ रुपये से अधिक की आय दर्ज की, जिससे सुरक्षा के क्षेत्र में भारत के सबसे भरोसेमंद नामों में से एक के रूप में इसकी स्थिति और मज़बूत हुई। व्यवसाय ने वित्त वर्ष '26 में 15 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य रखा है, जो भारत के तेज़ी से बदलते शहरी और उपनगरीय बाज़ार खंडों से बढ़ती मांग से प्रेरित है, जहां सुरक्षा की ज़रूरतें तेज़ी से परिष्कृत हो रही हैं। यह वृद्धि नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी एकीकरण और ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करने के दृष्टिकोण से प्रेरित होगी।

आधुनिक भारतीय उपभोक्ता अब केवल सुरक्षा उत्पाद के प्रति ही नहीं बल्कि डिज़ाइन के प्रति जागरूक घर के मालिक, टेक्नोलॉजी-प्रेमी माता-पिता, महिला निर्णयकर्ता और विश्वास तथा पारदर्शिता चाहने वाले व्यवसाय के मालिक भी हैं। गोदरेज इन उभरते व्यक्तित्वों की ज़रूरत समझकर ऐसे सुरक्षा समाधान बनाना चाहती है जो न केवल सुरक्षा करें बल्कि उनके जीवन से सहजता से जुड़ें भी। गोदरेज एंटरप्राइज़ेज़ ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय के बिज़नेस हेड, श्री पुष्कर गोखले ने इस दृष्टिकोण के बारे में कहा, आज उपभोक्ता केवल सुरक्षा ही नहीं चाहते हैं, वे स्मार्ट, सहज और विश्वसनीय सुरक्षा समाधान चाहते हैं जो उनके जीवन के अनुकूल हों। गोदरेज में, हमारा लक्ष्य सुरक्षा से परे जाकर लोगों और संस्थानों को ऐसी टेक्नोलॉजी से सशक्त बनाना है जो विश्वास, सुविधा और मन की शांति दे। हमारा वित्त वर्ष '25 का प्रदर्शन न केवल हमारे नवोन्मेष को बल्कि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अर्जित गहरे विश्वास को भी दर्शाता है। वित्त वर्ष '26 में आगे बढ़ते हुए हमारा ध्यान हर सुरक्षा टचपॉइंट में इंटेलिजेंस, अनुपालन और सहजता को शामिल करने पर होगा।

गोदरेज की वित्त वर्ष '25 की सफलता प्रमुख उत्पाद नवोन्मेष से रेखांकित होती है, जो उपभोक्ताओं और व्यवसायों की उभरती ज़रूरतों को पूरा करती हैं। भारत की पहली स्वदेशी फॉगिंग सुरक्षा प्रणाली स्मार्टफॉग के लॉन्च ने वास्तविक समय के आधार पर सेंधमारी को विफल करने के लिए सक्रिय टेक्नोलॉजी पेश की।

आभूषण उद्योग के लिए तैयार की गई बीआईएस-प्रमाणित मैकेनिकल सेफ डिफेंडर ऑरम प्रो रॉयल ने अनुपालन अनुकूल पेशकशों में गोदरेज के नेतृत्व को बढ़ाया। इस बीच, सोने की शुद्धता जांचने वाली अत्याधुनिक मशीन एक्यूगोल्ड ने खुदरा विक्रेताओं के लिए पारदर्शिता और गति प्रदान की।

इसके साथ ही, उन्होंने आधुनिक भारतीय उपभोक्ताओं द्वारा डिज़ाइन-आधारित नवोन्मेष वरीयताओं की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपने होम लॉकर पोर्टफोलियो का भी विस्तार किया।

पुष्पा ज्वेलर्स लिमिटेड आईपीओ 30 जून को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। पुष्पा ज्वेलर्स लिमिटेड (पुष्पा, कंपनी), जो एक होलसेल बी2बी ज्वेलरी निर्माता है, अपनी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश सोमवार, 30 जून, 2025 को खोलने जा रही है। कंपनी 98.65 करोड़ (ऊपरी प्राइस बैंड पर) जुटाने की योजना बना रही है और इसके शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे।

इस इश्यू में कुल 67,11,000 इक्विटी शेयर होंगे, जिनका अंकित मूल्य 10 प्रति शेयर होगा और प्राइस बैंड 143 से 147 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है।

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग प्रस्तावित नए शोरूम की स्थापना के लिए किया जाएगा, जिसमें पूंजीगत व्यय और शोरूम के लिए इन्वेंट्री लागत शामिल है। इसके अलावा, वर्किंग कैपिटल की आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए भी इसका उपयोग किया जाएगा। एंकर हिस्सा 27 जून, 2025 को खुलेगा और इश्यू 02 जुलाई, 2025 को बंद होगा।

इस इश्यू का बुक रनिंग लीड मैनेजर एफिनिटी ग्लोबल कैपिटल मार्केट प्राइवेट लिमिटेड है और रजिस्ट्रार कैमियो कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड है। पुष्पा ज्वेलर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री अनुपम टिबरेवाल ने कहा- हमारी यात्रा की शुरुआत एक स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ हुई थी - पारंपरिक और सुरुचिपूर्ण डिज़ाइनों का मेल करने वाले कालातीत गहनों का निर्माण करना।

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे बनने वाली हैं मां?

-'लाफ्टर शेफ्स 2' के लेटेस्ट प्रोमो में बोलीं- मैं प्रेग्नेंट हूं, भाग नहीं सकती; फैंस खुश

रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ्स 2' का लेटेस्ट प्रोमो सामने आया है, जिसमें टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे यह कहती हुई नजर आ रही हैं कि वह प्रेग्नेंट हैं। उनके इस बयान के बाद से फैंस काफी खुश हैं और उन्हें बधाइयां दे रहे हैं।

हालांकि, इस मामले में अब तक कपल ने कोई भी आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

'लाफ्टर शेफ्स 2' के लेटेस्ट प्रोमो में देखा जा सकता है कि कृष्णा अभिषेक मस्ती भरे अंदाज में अंकिता लोखंडे के हाथ से एक सामग्री छीनकर भागते नजर आते हैं। अंकिता उन्हें पकड़ने के लिए दौड़ने की कोशिश करती हैं, लेकिन तुरंत रुक जाती हैं और कहती हैं मैं प्रेग्नेंट हूं, मैं भाग नहीं सकती।

इसके बाद कृष्णा अभिषेक गाना गाने लगते हैं, आज हमारे घर में आ रहा लल्ला है, तभी करण कुंद्रा तेजी से अंकिता के पास आते हैं और पूछते हैं कि क्या वह सच में प्रेग्नेंट हैं। इस पर अंकिता शर्मा जाती हैं लेकिन कोई जवाब नहीं देतीं।

अब इस वीडियो को देखने के बाद फैंस जमकर अपना रिएक्शन दे रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'अब तक की सबसे अच्छी खबर। अंकिता मम्मी बनने वाली हैं।', दूसरे ने कमेंट किया,'बधाई मैम।', तीसरे ने लिखा, 'मैं पहले से ही सोच रही थी कि कहीं अंकिता प्रेग्नेंट तो नहीं हैं।'

'पठान' के सीक्वल से पहले प्रीक्वल?

-जॉन अब्राहम के मरे हुए इस किरदार को जिंदा करेगा YRF स्पाई यूनिवर्स

आदित्य चोपड़ा के YRF स्पाई यूनिवर्स के हर प्रोजेक्ट पर फैन्स की निगाहें टिकी रहती हैं. फिलहाल ये यूनिवर्स वॉर 2 और अल्फा को लेकर बिजी चल रहा है. लेकिन इसी बीच पता चला है कि मेकर्स ने इस यूनिवर्स की एक और फिल्म की कहानी का काम पूरा कर लिया है, जिसमें जॉन अब्राहम के मरे हुए किरदार को फिर से जिंदा किया जाएगा.

YRF स्पाई यूनिवर्स ने दर्शकों के बीच एक खास जगह बना ली है. सलमान खान, शाहरुख खान और ऋतिक रोशन जैसे सुपरस्टार के बाद अब आलिया भट्ट, शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी इस बड़े यूनिवर्स का हिस्सा बन चुके हैं. आदित्य चोपड़ा की बनाई गई YRF स्पाई यूनिवर्स भारतीय सिनेमा की सबसे पसंदीदा सिनेमाई फ्रैंचाइज़ में से एक है. एक था टाइगर, टाइगर ज़िंदा है, वॉर, पठान और टाइगर 3 के साथ सफलता का स्वाद चखने के बाद, स्पाई यूनिवर्स 2025 में वॉर 2 और अल्फा के साथ आ रहा है. अब इस यूनिवर्स की अगली फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है.

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक YRF की जासूसी दुनिया में अगली फिल्म जॉन अब्राहम के पठान के मशहूर किरदार जिम का स्पिन-ऑफ है. आदित्य चोपड़ा और श्रीधर राघवन ने जिम के स्पिन-ऑफ के लिए एक ठोस कहानी तैयार की है, जो फिल्म में उनके नेगेटिव किरदार और गुस्से के कारण को सभी के सामने पेश करती हुई नजर आएगी. उन्होंने जॉन अब्राहम को फिल्म की कहानी सुनाई, और उन्होंने फिर से जिम की भूमिका निभाने की चुनौती को एक्सेप्ट कर लिया है.

साल 2026 में शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

अगर सब कुछ ठीक रहा तो फिल्म 2026 में फ्लोर पर उतारी जाएगी, यानी फिल्म की शूटिंग का काम शुरू किया जाएगा. वहीं साल 2027 में इसे बड़े पर्दे पर रिलीज किया जाएगा. रिपोर्ट की मानें तो जिम पठान की प्रीक्वल होगी और इसमें स्पाई यूनिवर्स की सभी फिल्मों के कैमियो होंगे, क्योंकि जिम की बैकस्टोरी उसे भारतीय खुफिया एजेंसियों के सबसे बेहतरीन एजेंट के रूप में दिखाती है.

पहले अपनी इन फिल्मों को पूरा करेंगे जॉन

वर्कफ्रंट की बात करें तो जॉन अब्राहम इस बीच रोहित शेट्टी के साथ राकेश मारिया बायोपिक की शूटिंग कर रहे हैं और उसके बाद महावीर जैन और अभिषेक शर्मा के साथ एक सुपरहीरो फिल्म की शूटिंग करेंगे. उनका लक्ष्य 2026 के मिड से जिम की शूटिंग शुरू करना है, हालांकि फिल्म का फ्यूचर वॉर 2 और अल्फा के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा. वॉर 2 अगस्त में रिलीज के लिए तैयार है. वहीं अल्फा की शूटिंग जारी है.

YRF स्पाई यूनिवर्स की पठान वर्सेज टाइगर

कहा तो ये भी जा रहा है कि YRF स्पाई यूनिवर्स पठान वर्सेज टाइगर भी बनाएगा. जिसमें शाहरुख खान और सलमान खान के किरदार की कहानी पर काम किया जा रहा है. पहले खबरें आईं थी कि इस फिल्म में दोनों सुपरस्टार एक-दूसरे से भिड़ते हुए नजर आएंगे. हालांकि अभी तक इस फिल्म को लेकर कोई पक्की खबर नहीं आई है.

अमिताभ बच्चन को 'पापड़ वाला' समझ बैठीं डेनमार्क की इंफ्लुएंसर

बोलीं- ये बहुत अच्छा पापड़ बनाते हैं, मेरा पापड़ खत्म हो गया, मिल भी नहीं रहा

सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें डेनमार्क की एक इंफ्लुएंसर ने अमिताभ बच्चन को पापड़ बेचने वाला समझ लिया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह बिग बी को पापड़ वाला बताते हुए नजर आ रही हैं।

दरअसल, प्रेडरिके नाम की एक महिला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह अमिताभ बच्चन की ओर इशारा करते हुए कह रही हैं, ये आदमी सबसे बढ़िया पापड़म बनाते हैं। क्या किसी को पता है कि इस ब्रांड को कहां से खरीदा जा सकता है? क्योंकि मेरे पास पापड़ अब खत्म होने वाले हैं। मैंने ये पापड़ नेपाल में खरीदे थे और कोपेनहेगन में अब तक कहीं नहीं मिले। अगर किसी को पता हो कि यह पापड़ कहां मिल सकता है या ये महान पापड़ वाले शख्स कौन हैं, तो कृपया मदद कीजिए।अब इस वीडियो में लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक ने लिखा, ये नई दिल्ली के इंडिया गेट पर बासमती चावल भी उगाया करते थे। दूसरे ने लिखा, ये हमें ऑनलाइन घोटालों और

धोखाधड़ी से भी बचाते हैं। तीसरे ने लिखा, वो मुझे पोलियो की दवा भी पिलाते थे और मैं आज उन्हीं की वजह से जिंदा हूं।

सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे थे अमिताभ बच्चन

हाल ही में अमिताभ बच्चन को इस कॉलर ट्यून की वजह से ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा था। सोमवार देर रात (23 जून) अमिताभ बच्चन ने अपने ऑफिशियल X अकाउंट से लिखा, 'जी हां, हिजूर मैं भी प्रशंसक हूं।' कुछ देर बाद उन्होंने सुधार कर फिर लिखा, 'हुजूर, न कि हिजूर। लिखने की गलती, माफ करिए।'

इस पर एक ट्रोलर ने बिग बी की साइबर क्राइम वाली कॉलर ट्यून पर कहा- 'तो कॉल पर बोलना बंद करो भाई।' इसके जवाब में बिग बी ने लिखा- 'सरकार को बोलो भाई, उन्होंने हमसे कहा सो किया।

ये हॉरर मूवी चकरा देगी आपका दिमाग, एंडिंग देखे बिना नहीं उठ पाएंगे आप

एक मासूम बच्ची, राजघराने की दहलीज, बाल विवाह और फिर एक ऐसी 'चुड़ैल' जो सिर्फ डराती नहीं... बदला भी लेती है. हर सीन के साथ रहस्य और दर्द को परत-दर-परत खोलती है. क्या आपने देखी है ये फिल्म-

आज जहां रोमांटिक और कॉमेडी फिल्में समय-समय पर देखने को मिलती रहती हैं, वहीं अब लोगों का रुझान हॉरर, थ्रिलर और इमोशनल ड्रामा वाली फिल्मों की ओर तेजी से बढ़ रहा है. अगर आप भी ऐसी फिल्में देखना पसंद करते हैं जो सिर्फ डर नहीं बल्कि एक गहरा मैसेज भी छोड़ जाएं, तो आपको 'बुलबुल' जरूर देखनी चाहिए.

ये फिल्म न सिर्फ रहस्य से भरी हुई है, बल्कि इसमें समाज की उन कड़वी सच्चाइयों को भी उजागर किया गया है जिन पर अक्सर पर्दा डाल दिया जाता है.

तृप्ति डिमरी की दमदार एक्टिंग

'बुलबुल' साल 2020 में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी. ये फिल्म तृप्ति डिमरी के करियर की उन चुनिंदा फिल्मों में से एक बन चुकी है जिसे समय के

साथ 'क्लासिक' का दर्जा मिलने लगा है. शुरुआत में फिल्म को भले ही ज्यादा रिस्पॉन्स नहीं मिला हो, लेकिन बाद में इसकी सिनेमैटोग्राफी, स्टोरीलाइन और खासतौर पर तृप्ति की परफॉर्मेंस ने लोगों को हिला कर रख दिया.

एक मासूम बच्ची से 'चुड़ैल' तक की कहानी

फिल्म की शुरुआत एक बच्ची से होती है, जिसका विवाह एक उम्रदराज जमींदार से करवा दिया जाता है. इस घर में सत्या नाम का एक छोटा देवर भी है, जो उसी की उम्र का है और दोनों का रिश्ता खेल-खेल में बीतता है. हालांकि ये मासूम रिश्ता बाद में शक, जलन और समाज की बंदिशों की बलि चढ़ जाता है. बुलबुल की देवरानी, जिसकी शादी मानसिक रूप से अस्थिर महेंद्र से हुई है, अपनी कड़वाहट और असंतोष का बदला बुलबुल से लेने लगती है. वो बुलबुल के पति के मन में शक पैदा कर देती है कि उसकी पत्नी का रिश्ता सत्या से है. इस झूठ की नींव पर बुलबुल की दुनिया टूटने लगती है. उसका पति विदेश भेजने के बहाने सत्या को दूर कर देता है और खुद बुलबुल पर शारीरिक हिंसा करने लगता है.

इस दर्दनाक मोड़ के बाद बुलबुल की मुलाकात एक डॉक्टर से होती है, जो उसकी देखभाल करता है और एक सच्चा दोस्त बनता है. धीरे-धीरे दोनों के बीच भरोसे की एक मजबूत डोर बनने लगती है. लेकिन तभी कहानी में नया तूफान आता है.

जब गांव में फैला 'चुड़ैल' का खौफ 5 साल बाद कहानी एक बार फिर मोड़ लेती है. सत्या जब वापस गांव लौटता है, तो उसे वहां एक रहस्यमयी चुड़ैल की खबरें मिलती हैं जो मर्दों को मार रही है. वो इस रहस्य को सुलझाने निकल पड़ता है, लेकिन जो सच उसके सामने आता है वो ना सिर्फ उसकी आंखें खोल देता है,

बल्कि लोगों को भी अंदर तक झकझोर देता है.

'बुलबुल' में आपको हॉरर तो मिलेगा ही, लेकिन उससे कहीं ज्यादा गहरी बात है इसमें एक लड़की की कहानी, जिसे समाज के नियमों और गलतफहमियों ने राक्षसी बना दिया.

कहां देखें 'बुलबुल'?

तृप्ति डिमरी की ये शानदार फिल्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है. फिल्म की लंबाई लगभग 1 घंटा 34 मिनट है और इसे IMDb पर 6.6 की रेटिंग मिली है.

तारक मेहता का उल्टा चश्मा: 'जेठालाल' और 'बबीता जी' भी छोड़ रहे हैं; शो? सामने आई सच्चाई

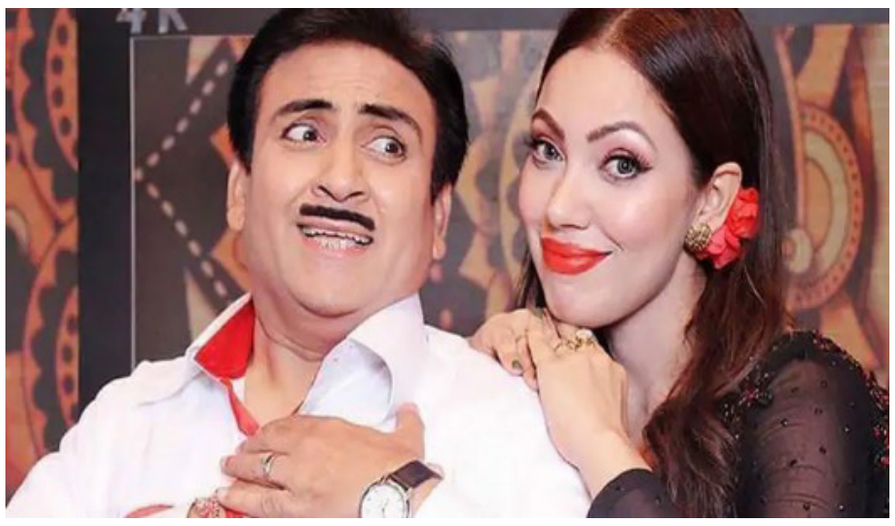

इंस्टाग्राम पर वायरल पोस्ट्स का दावा है कि दिलीप जोशी और मुनमुन दत्ता शो से गायब हैं, इसलिए वे TMKOC छोड़ने की योजना बना रहे हैं. जानिए क्या है सच्चाई...

तारक मेहता का उल्टा चश्मा' टीवी की वो शो हैं, जिसको लोग सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है. साल 2008 से शुरू हुआ ये शो, आज भी लोगों के फेवरेट टीवी शोज में से एक है. हालांकि, इन 17 सालों में शो के कई पुराने चेहरों ने शो को अलविदा कह दिया और कुछ नए चेहरों ने जगह ली. दया बेन के जाने के बाद लोग थोड़ा निराश हुए और उनके आने का इंतजार अब तक कर रहे हैं. लेकिन इस बीच हलचल तब मच गई, जब ये चर्चा शुरू हो गई कि जेठालाल और बबीता जी यानी दिलीप जोशी और मुनमुन दत्ता भी फेमस सिटकॉम छोड़ दिया है.

'जेठालाल' और 'बबीता जी' को कौन नहीं जानता? दिलीप जोशी और मुनमुन दत्ता द्वारा निभाए गए ये आइकॉनिक किरदार दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं.

हालांकि, शो के वर्तमान प्लॉट में ये पसंदीदा किरदार नजर नहीं आ रहे हैं, जिसके बाद से दोनों स्टार्स के शो छोड़ने की बातें होने लगी.

कैसे शुरू हुईं चर्चाएं

TMKOC से दिलीप जोशी और मुनमुन दत्ता के बाहर होने की अफवाहें तब शुरू हुईं जब फैंस ने देखा कि जेठालाल और बबीता जी लंबे समय से वर्तमान 'भूतनी' प्लॉट में गायब हैं. गोकुलधाम सोसाइटी के सभी सदस्य एक भूतिया बंगले में छुट्टियां मना रहे हैं.

जबकि बापू जी, पोपटलाल, सोढ़ी और दूसरे किरदार तारक मेहता और अंजलि के साथ इस छुट्टी पर शामिल हुए हैं, लेकिन जेठालाल और बबीता जी गायब हैं. इससे सभी को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या दिलीप जोशी और मुनमुन दत्ता शो छोड़ने की योजना बना रहे हैं.

अफवाह या सच्चाई

न्यूज के मुताबिक, शो के प्रोडक्शन हाउस ने पुष्टि की है कि मुनमुन दत्ता और दिलीप जोशी अभी भी शो का हिस्सा हैं. वर्तमान प्लॉटलाइन के मुताबिक, 'जेठालाल' अपने एसोसिएट्स के साथ एक बिजनेस ट्रिप पर हैं, जबकि 'बबीता' और 'अय्यर' महाबलेश्वर में छुट्टियां मना रहे हैं. TMKOC पिछले 17 सालों से लगातार टीवी पर छाया हुआ है.दिलीप जोशी (जेठालाल) और मुनमुन दत्ता (बबीता जी) शुरू से ही शो का अहम हिस्सा हैं. जेठालाल और बबीता जी की नोक-झोंक और केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आती है. 17 सालों में कई चर्चित चेहरे शो छोड़ चुके हैं.

इनमें दिशा वकानी (पुरानी दयाबेन), झील मेहता (पुरानी सोनू), भव्य गांधी (पुराना टप्पू), राज अनादकत, पलक सिंधवानी, गुरुचरण सिंह (पुराने सोढ़ी) और नेहा मेहता (पुरानी अंजलि) शामिल हैं.

शो छोड़ने वाले कलाकारों पर असित मोदी ने की थी बात

एक पिछले इंटरव्यू में, असित मोदी ने शो छोड़ने वाले कलाकारों और उन पर आरोप लगाने के बारे में बात की थी. उन्होंने कहा था,'मैंने कभी भी खुद को कलाकारों से अलग नहीं किया है.

अगर कोई समस्या है, तो वे हमेशा मुझसे संपर्क कर सकते हैं. मैंने हमेशा ईमानदारी से काम किया है और शो को प्राथमिकता दी है. मैंने कभी भी व्यक्तिगत लाभ के बारे में नहीं सोचा, इसलिए ऐसी घटनाओं से मुझे दुख होता है, लेकिन यह जीवन का हिस्सा है.

रिलीज हुआ 'मैसा' का फर्स्ट लुक, खूंखार अवतार में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

रश्मि का का खूंखार अवतार, एक्ट्रेस बोलीं- 'ये बिलकुल असली'

अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनी 'मैसा' एक ऐसी कहानी लग रही है, जिसमें एक महिला योद्धा की हिम्मत और जज्बे को दिखाया जाएगा.

रश्मिका मंदाना ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया पर अपनी आगामी फिल्म 'मैसा' की पहली झलक दिखाई. उन्होंने बताया कि इसमें उनका किरदार निडर और ताकतवर है. एक्ट्रेस ने बताया कि उनका यह किरदार उनके एक ऐसे रूप को दिखाता है जिसे उन्होंने भी पहले कभी नहीं देखा था.

पोस्टर में उनका चेहरा खून से लथपथ दिख रहा है और आंखों में क्रोध की ज्वाला धधक रही है। यह उनके किरदार की उग्रता को दर्शाता है.

कैसा है लुक

लुक की बात करें तो उन्होंने लाल साड़ी पहनी हुई है. उनके गहने आदिवासी स्टाइल की याद दिलाते हैं. इसके अलावा, उन्होंने चांद के आकार वाली बिंदी भी लगाई हुई है. इस पोस्टर को शेयर करते हुए रश्मिका मंदाना ने कैप्शन में लिखा, 'मैं हमेशा आप लोगों को कुछ नया, कुछ अलग और कुछ रोमांचक देने की कोशिश करती हूं. यह उन्हीं में से एक है, एक ऐसा किरदार जिसे मैंने पहले कभी नहीं निभाया, एक ऐसी दुनिया जिसमें मैंने कभी कदम नहीं रखा, और अपने एक नए रूप से मिलना, जिसे मैं भी पहले नहीं जानती थी. यह बहुत ही खतरनाक, गंभीर और बिलकुल असली है. मैं थोड़ी नर्वस भी हूं और बहुत उत्साहित भी हूं. मैं सच में इसके रिलीज होने का इंतजार नहीं कर सकती. ये तो बस शुरुआत है.'

5 भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म

'मैसा' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है. इसमें रश्मिका मंदाना गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं. इस फिल्म का निर्देशन रविंद्र पुल्ले कर रहे हैं. वहीं अजय और अनिल सैय्यापुरेड्डी ने अपने बैनर अनफॉर्मूला फिल्म्स के तहत इसे प्रोड्यूस किया है. 'मैसा' हिंदी के साथ तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी. फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है.

रश्मिका का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो इस समय रश्मिका धनुष की 'कुबेर' को लेकर चर्चा में हैं. इसके अलावा, उनके पास आयुष्मान खुराना की हिंदी फिल्म 'थामा' और साउथ फिल्म 'गर्लफ्रेंड' हैं. इस फिल्म में वह विजय देवरकोंडा के अपोजिट नजर आएंगी.

विष्णु मांचू की 'कन्नप्पा' ने पहले दिन बजाया डंका, छाप डालें करोड़ों

फिल्म को एक आध्यात्मिक अनुभव बताया जा रहा है और इसके VFX और क्लाइमैक्स की खूब तारीफ हो रही है. फिल्म में प्रभास, मोहनलाल, अक्षय कुमार और काजल अग्रवाल जैसे सुपरस्टार्स के कैमियो और विशेष भूमिकाएं शामिल हैं, जिनकी झलक भर से ही दर्शक भावुक हो रहे हैं. ऐसे में आइए बताते हैं

फिल्म ने अबतक कितनी कमाई की है.

पहले दिन विष्णु मांचू की पैन-इंडिया फिल्म 'कन्नप्पा' 27 जून 2025 को रिलीज़ हुई और पहले ही दिन इसने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त धमाल मचा दिया। यह फिल्म भगवान शिव के अनन्य भक्त कन्नप्पा की कहानी पर आधारित है, जो त्याग, भक्ति और ईमानदारी का बड़ा उदाहरण मानी जाती है।

फिल्म की कहानी में दिखाया गया है कि थिन्नन नाम का एक शिकारी जंगल में शिकार करते हुए शिवलिंग के संपर्क में आता है। पहले तो वह अपने तरीके से पूजा करता है, मांस, पानी और फूल शिवलिंग पर चढ़ाता है। धीरे-धीरे उसमें शिव के प्रति इतनी गहरी भक्ति जाग जाती है कि जब वह देखता है कि शिवलिंग की आँखों से खून बह रहा है, तो वह अपनी एक आँख चाकू से निकालकर शिवलिंग पर लगा देता है ताकि खून रुक जाए। फिर जब दूसरी आँख से भी खून बहता है, तो वह अपनी दूसरी आँख भी निकालने को तैयार हो जाता है। इसी बीच शिव जी प्रकट होकर उसकी परीक्षा समाप्त करते हैं और उसे दृष्टि का आशीर्वाद देते हैं। तभी से उसका नाम थिन्नन से कन्नप्पा (कन्न का अर्थ आँख) पड़ जाता है और वह भक्ति का प्रतीक बन जाता है।

फिल्म में विष्णु मांचू ने कन्नप्पा की भूमिका निभाई है, जबकि अक्षय कुमार भगवान शिव के किरदार में दिखते हैं। प्रभास ने रुद्र रूप में कैमियो किया है और काजल अग्रवाल पार्वती के किरदार में नजर आती हैं। मोहनलाल और मोहन बाबू जैसे दिग्गजों ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं।

फिल्म का क्लाइमैक्स सबसे ज्यादा तारीफ बटोर रहा है, जहाँ कन्नप्पा के बलिदान और भगवान शिव के प्रकट होने का दृश्य दर्शकों के दिल को छू रहा है। लोग कह रहे हैं कि फिल्म का पहला हिस्सा थोड़ा धीमा है, लेकिन दूसरा हिस्सा पूरी तरह पकड़ लेता है और भावनाओं से जोड़ता है। वीएफ़एक्स और सिनेमैटोग्राफी भी दर्शकों को पौराणिकता की गहराई में ले जाती है।

रिलीज़ के पहले ही दिन फिल्म ने भारत में लगभग 12-13 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया, जो विष्णु मांचू की पिछली किसी भी फिल्म से कहीं अधिक है।'कन्नप्पा' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि आस्था और भारतीय पौराणिक कथा का जीवंत चित्रण बनकर उभरी है, जिसने पहले दिन ही बॉक्स ऑफिस पर डंका बजा दिया है।

'फिल्म को एक बड़ी ओपनिंग दे...'

विष्णु मांचू ने एक लेटेस्ट इंटरव्यू में फिल्म के ओपनिंग के बारे में बात करते हुए कहा था, 'प्रभास, अक्षय कुमार जैसे नाम आपकी फिल्म को एक बड़ी ओपनिंग दे सकते हैं, ध्यान खींच सकते हैं, लेकिन अगर कहानी में दम नहीं है, तो दर्शक टिकेंगे नहीं. मैंने हमेशा यही माना है कि स्टार्स शुरुआत में दर्शकों को खींच सकते हैं,

लेकिन वही दर्शक तभी लौटते हैं जब कहानी उनके दिल को छूती है.' 'यही मेरी कोशिश रही है कि कंटेंट ही मेरा असली स्टार बने. ऑडियंस आज बहुत स्मार्ट है. उन्हें दिखावा नहीं, सच्चाई चाहिए. तो हां, स्टार पावर एक टॉर्च की तरह है, जो रोशनी देती है, लेकिन रास्ता तो कहानी ही तय करती है.'

ICC ने क्रिकेट के 6 नियमों में बदलाव किए, टेस्ट में 60 सेकेंड में ओवर शुरू करना होगा

-दो वॉर्निंग के बाद 5 रन कट

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने हाल ही में पुरुष क्रिकेट के 6 नियम बदले हैं, ताकि खेल को ज्यादा तेज, निष्पक्ष और रोचक बनाया जा सके। टेस्ट क्रिकेट में ये नियम नई वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (2025-27) के लिए लागू हो चुके हैं। वहीं, सीमित ओवर (वनडे और टी-20) फॉर्मेट में ये नियम 2 जुलाई 2025 से प्रभावी होंगे। ICC ने सभी देशों से नियमों में किए गए बदलावों की जानकारी साझा की है। जानिए, बदले हुए नियमों के बारे में...

क्रिकेट के 6 नियम बदले गए

1. टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक नियम

ICC ने टेस्ट क्रिकेट में अब स्टॉप क्लॉक नियम लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत फील्डिंग टीम ओवर शुरू करने में 60 सेकेंड से अधिक देर करती है तो उसे दो बार वॉर्निंग दी जाएगी। इसके बाद भी अगर यह नियम टूटा तो पेनाल्टी के तौर पर उसके 5 रन काट लिए जाएंगे। टी-20 और वनडे क्रिकेट में यह नियम एक साल पहले ही लागू हो चुका है।

2. शॉर्ट रन पर जुर्माना

ICC ने तीनों फॉर्मेट के लिए शॉर्ट रन का नियम भी बदला है। जानबूझकर शॉर्ट रन लेने पर पहले 5 रन का जुर्माना लगता था। अब अगर बल्लेबाज एक्स्ट्रा रन चुराने के लिए जानबूझकर रन पूरा नहीं करता तो अंपायर फील्डिंग टीम से पूछेंगे कि वे पिच पर मौजूद दोनों में से किस बल्लेबाज को स्ट्राइक पर चाहते हैं। 5 रन के जुर्माना वाला नियम भी लागू रहेगा।

3. गलती से सलाइवा लगाई तो गेंद नहीं बदलेगी

गेंद पर सलाइवा (लार) लगाने पर बैन जारी रहेगा। हालांकि, गलती से सलाइवा लगाने पर बॉल बदलना अनिवार्य नहीं होगा। अंपायर सिर्फ तभी गेंद बदलेंगे, जब उसकी स्थिति में भारी बदलाव हो, जैसे कि गेंद बहुत गीली हो या उसमें एक्स्ट्रा चमक हो।

यह फैसला अंपायर के विवेक पर निर्भर होगा। अगर उसे लगता है कि गेंद की स्थिति में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है तो इसे नहीं बदला जाएगा। यह नियम भी तीनों फॉर्मेट के लिए है।

4. कैच रिव्यू में LBW की भी जांच होगी

ICC ने कैच का नियम भी बदला है। अगर कैच आउट रीव्यू में गलत साबित होता है, लेकिन गेंद पैड पर लगी हो तो टीवी अंपायर LBW की भी जांच करेंगे। अगर बैटर LBW आउट है तो उसे आउट दे दिया जाएगा। यह नियम भी तीनों फॉर्मेट के लिए है।

5. नोबॉल पर कैच

सॉफ्ट सिग्नल (अंपायर का लिया रिव्यू) लिया गया है और नो बॉल पर कैच पर सही है तो बल्लेबाजी टीम को नो-बॉल का एक रन एक्स्ट्रा मिलेगा। कैच सही नहीं है तो नो बॉल का एक रन और दौड़कर बनाए गए रन भी मिलेंगे। पहले कैच के डाउट होने पर फील्ड अंपायर थर्ड अंपायर को रैफर करता था और टीवी अंपायर बताता था कि ये नो बॉल थी, तो कैच की जांच नहीं होती थी। लेकिन अब उसकी जांच की जाएगी। यह नियम भी तीनों फॉर्मेट के लिए है।

6. ICC ने टी-20 मैचों के लिए नए पावरप्ले नियम बनाए

ICC ने टी-20 मैचों के लिए नए पावरप्ले नियमों में बदलाव किए हैं। नए नियम जुलाई से लागू होंगे और इनमें यह स्पष्ट किया गया है कि अगर बारिश या किसी अन्य वजह से मैच के ओवर कम किए गए हैं तो पावरप्ले के ओवर भी उसी आधार पर कम कर दिए जाएंगे।

नए नियमों के अनुसार...

5 ओवर के मैच में 1.3 ओवर पावरप्ले होंगे। 6 ओवर के मैच में 1.5 ओवर पावरप्ले होंगे। 7 ओवर के मैच में 2.1 ओवर पावरप्ले होंगे। 8 ओवर के मैच में 2.2 ओवर पावरप्ले होंगे। 9 ओवर के मैच में 2.4 ओवर पावरप्ले होंगे। 10 ओवर के मैच में 3 ओवर पावरप्ले होंगे। 11 ओवर के मैच में 3.2 ओवर पावरप्ले होंगे। 12 ओवर के मैच में 3.4 ओवर पावरप्ले होंगे। 13 ओवर के मैच में 3.5 ओवर पावरप्ले होंगे। 14 ओवर के मैच में 4.1 ओवर पावरप्ले होंगे। 15 ओवर के मैच में 4.3 ओवर पावरप्ले होंगे। 16 ओवर के मैच में 4.5 ओवर पावरप्ले होंगे। पावरप्ले के दौरान केवल दो फील्डर 30 गज के दायरे से बाहर रह सकते हैं। ये नियम छोटे टी-20 मैचों को और स्पष्ट और निष्पक्ष बनाने के लिए लागू किए गए हैं।

हाल ही में 2 नियम और बदले गए थे

1. वनडे में 35 ओवर के बाद बॉल बदलेगी

ICC ने वनडे क्रिकेट में 35वें ओवर के बाद एक ही नई गेंद के इस्तेमाल की इजाजत दे दी है। इससे अब डेथ ओवर्स में तेज गेंदबाजों को मदद मिल सकेगी।

2. बाउंड्री पर कैच पकड़ने के नियमों में बदलाव के नियम को मंजूरी

मेरीलेबोन क्रिकेट क्लब (MCC) ने बाउंड्री पर कैच पकड़ने के नियमों में बदलाव की सिफारिश की थी। ये बाउंड्री से बाहर जाकर बॉल उछालने पर लिए जाने वाले कैच से संबंधित था। यह बदलाव MCC अक्टूबर 2026 से शामिल करेगा। ICC ने इसे मंजूरी दे दी है। यह 17 जून से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच होने वाले टेस्ट से लागू हो चुका है।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड का बड़ा दांव

-जोफ्रा आर्चर की 4 साल बाद टेस्ट में वापसी

ECB ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले जोफ्रा आर्चर को टीम में शामिल किया है। इंग्लिश बोर्ड ने गुरुवार को इस बात की जानकारी दी। बोर्ड ने X पोस्ट में लिखा- 'जोफ्रा आर्चर इज बैक।'

30 साल के आर्चर को 4 दिन पहले 22 जून को फिटनेस टेस्ट के लिए काउंटी मैच के लिए ससेक्स टीम में चुना गया था। इस मैच में आर्चर ने 18 ओवर गेंदबाजी की। उन्होंने 32 रन देकर एक विकेट भी हासिल किया। आर्चर ने 4 साल पहले फरवरी 2021 में आखिरी टेस्ट मैच खेला था।

कप्तान स्टोक्स ने संकेत दिए थे, कहा था- आर्चर टेस्ट जर्सी पहनने के लिए बेताव इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी से पहले आर्चर की वापसी के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था- आर्चर फिर से टेस्ट जर्सी पहनने के लिए बेताब हैं। फिलहाल, इंग्लैंड के कई तेज गेंदबाज चोटिल हैं। इनमें मार्क वुड, ओली स्टोन और गस एटकिंसन शामिल हैं। इससे आर्चर को वापसी का मौका मिला है।

इंजरी से परेशान रहे हैं आर्चर

जोफ्रा आर्चर अपने करियर में लगातार चोट से परेशान रहे हैं। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने 2019 में इंटरनेशनल डेब्यू कर लिया था, लेकिन आखिरी टेस्ट मैच फरवरी 2021 में खेला था।

इंग्लैंड का टेस्ट स्क्वॉड

बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉले, बेन डकेट, हैरी ब्रूक, ओली पोप, जो रूट, जैकब बेथेल, ब्रायडन कार्स, सैम कुक, जिमी ओवरटन, जैमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स, जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर।

2 जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा दूसरा टेस्ट

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच 2 जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा। 5 मैचों की इस सीरीज में मेजबान इंग्लैंड 1-0 से आगे हैं। इंग्लिश टीम ने पहला टेस्ट मैच 5 विकेट से जीता था।

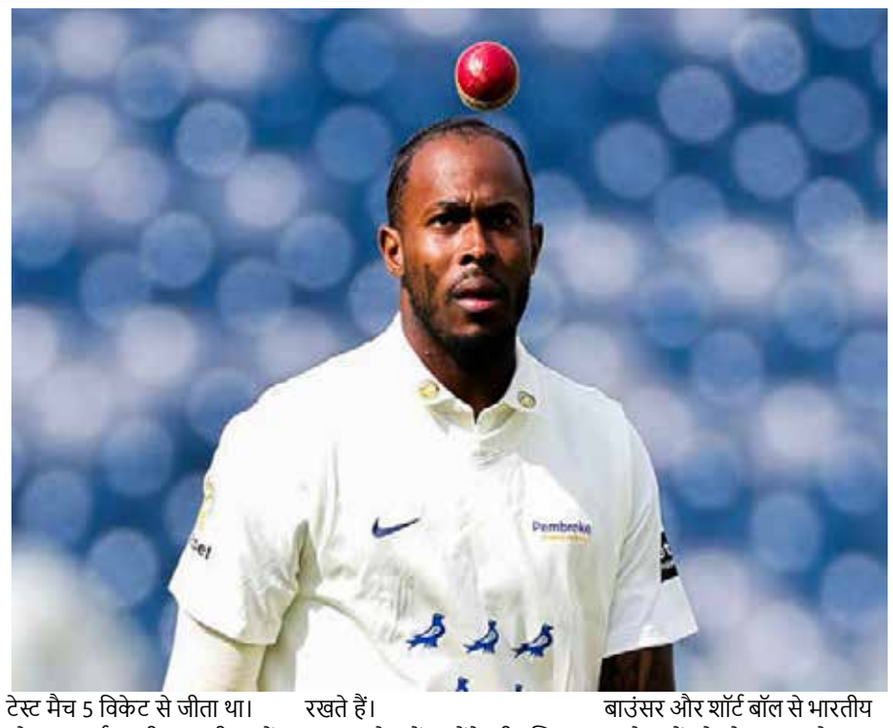

जोफ्रा आर्चर की वापसी क्यों अहम है?

आर्चर ने अगस्त 2021 में भारत के खिलाफ ही आखिरी टेस्ट खेला था। उसके बाद वह कोहनी और पीठ की चोट से लगातार जूझते रहे। उनके पास तेज़ गति, उछाल और नई गेंद से स्विंग कराने की क्षमता है, जो भारत जैसी मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप के खिलाफ इंग्लैंड के लिए फायदेमंद हो सकती है।

इंग्लैंड की मौजूदा गेंदबाजी में मार्क वुड और एंडरसन की उम्र को देखते हुए आर्चर की फिटनेस से टीम को नई ऊर्जा मिल सकती है। हाल ही में टी20 लीग और घरेलू क्रिकेट में उन्होंने लय में लौटने के संकेत दिए हैं, हालांकि उनका workload अब भी सीमित रखा गया है।

पिछली टेस्ट परफॉर्मेंस

जोफ्रा आर्चर ने अब तक 13 टेस्ट मैचों में 42 विकेट लिए हैं।

उनकी औसत गति 145 किमी/घंटा तक जाती है, जिससे वह बल्लेबाजों को चौंकाने की क्षमता रखते हैं।

2019 एशेज में उन्होंने स्टीव स्मिथ को चोट पहुंचाकर ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी क्रम को मुश्किल में डाला था, जिससे उनकी आक्रामक गेंदबाजी की मिसाल बनी थी।

भारत के खिलाफ उनकी गेंदबाजी का रिकॉर्ड:

भारत के खिलाफ अब तक खेले गए 5 टेस्ट में उन्होंने 14 विकेट लिए हैं।

बर्मिंघम की पिच पर bounce और seam movement उनके लिए मददगार साबित हो सकती है।

इंग्लैंड टीम को क्यों है उनकी ज़रूरत?

भारत ने पहले टेस्ट में आक्रामक बल्लेबाजी दिखाई थी, जहां गिल, पंत और यशस्वी ने अर्धशतक जड़े थे।

इंग्लैंड की गेंदबाजी ने बीच के ओवरों में विकेट लेने में संघर्ष किया, जिससे भारत बड़ा स्कोर खड़ा कर सका।

आर्चर की वापसी इंग्लैंड को: पावरप्ले में विकेट लेने

बाउंसर और शॉर्ट बॉल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने

tailenders को जल्दी आउट करने में मदद कर सकती है।

भारत के तेज गेंदबाज हर्षित राणा को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे टेस्ट से पहले टीम से रिलीज कर दिया गया है। युवा गेंदबाज को पहले टेस्ट में कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, राणा टीम के साथ लीड्स से बर्मिंघम नहीं गए हैं।

भारत की रणनीति पर असर

जोफ्रा आर्चर की वापसी के बाद भारत को:

शॉर्ट गेंदों के खिलाफ सतर्क रहना होगा।

पंत, गिल और यादव जैसे खिलाड़ी जिन्हें शॉर्ट गेंद पर खेलने की आदत है, उन्हें शॉट सिलेक्शन में सावधानी बरतनी होगी। भारत की कोशिश होगी कि आर्चर की शुरुआती धार को संभलकर खेलकर अन्य गेंदबाजों पर दबाव डाला जाए।

पथुम निसंका का शानदार शतक, श्रीलंका का स्कोर 290/2; बांग्लादेश 247 रन पर सिमटी

-कोलंबो टेस्ट, श्रीलंका ने बांग्लादेश पर 43 रन की बढ़त बनाई

श्रीलंका ने टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 43 रनों की बढ़त हासिल कर ली है। टीम ने गुरुवार को दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट खोकर 290 रन बना लिए। ओपनर पथुम निसंका 146 और प्रबथ जयसूर्या 5 रन पर नाबाद हैं। लहिरू उदरा 40 और दिनेश चंडीमल 93 रन पर बनाकर आउट हो चुके हैं। बांग्लादेश के तैजुल इस्लाम और नईम हसन एक-एक विकेट ले चुके हैं। इससे पहले बांग्लादेशी टीम पहली पारी में 247 रन पर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश ने 220/8 के स्कोर से खेलना शुरू किया था और आखिरी दो विकेट 27 रन बनाने में गंवा दिए। 8 रन से पारी शुरू करने वाले तैजुल इस्लाम 33 रन बनाकर आउट हुए। श्रीलंका से असिथा फर्नांडो और सोनल दिनुषा ने 3-3 विकेट झटके। विष्वा फर्नांडो को 2 विकेट मिले।

ओपनर्स की फिफ्टी पार्टनरशिप

पहले सेशन में बांग्लादेश को 247 रन पर ऑलआउट करने के बाद श्रीलंकाई टीम ने मजबूत शुरुआत की। पथुम निसंका और लहिरू उदारा की जोड़ी ने लंच ब्रेक तक फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली थी। यहां टीम का स्कोर 83/0 रहा।

श्रीलंकाई ओपनर्स की साझेदारी को तैजुल इस्लाम ने तोड़ा। उन्होंने लहिरू उदारा को 40 रन के स्कोर पर LBW कर दिया। निसंका और उदारा ने पहले विकेट के लिए 88 रन जोड़े।

निसंका का तीसरा शतक, चंडीमल के साथ 194 रन की साझेदारी

88 रन पर पहला विकेट गंवाने के बाद पथुम निसंका ने दिनेश चंडीमल के साथ शतकीय साझेदारी करके श्रीलंकाई टीम को टी-ब्रेक तक मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। उन्होंने चंडीमल के साथ मिलकर 311 बॉल पर 194 रन बनाए। चंडीमल 93 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नईम हसन ने लिटन दास के हाथों कैच कराया।

कोलंबो में खेले जा रहे टेस्ट मैच में श्रीलंका ने मजबूत स्थिति बना ली है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक श्रीलंका ने पहली पारी में 2 विकेट पर 290 रन बना लिए हैं और बांग्लादेश पर 43 रन की बढ़त हासिल कर ली है। पथुम निसंका 146 रन बनाकर नाबाद खेल रहे हैं, इससे पहले बांग्लादेश की टीम पहली पारी में 247 रन पर ऑलआउट हो गई थी।

बांग्लादेश की धीमी शुरुआत और सस्ते विकेट

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम अच्छी शुरुआत नहीं कर सकी। टॉप ऑर्डर में शादमान इस्लाम ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए, जबकि मुशफिकुर रहीम ने 34 और लिटन दास ने 39 रन जोड़े। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर ज्यादा देर टिक नहीं सका। श्रीलंका की ओर से कसुन रजिता ने 3 विकेट, जबकि असिथा फर्नांडो और जयविक्रमा ने 2-2 विकेट झटके। बांग्लादेश की पूरी पारी 76.4 ओवर में 247 रन पर सिमट गई।

श्रीलंका की ठोस बल्लेबाजी, निसंका का शतक

श्रीलंका ने पहली पारी में संभलकर बल्लेबाजी की। ओपनर दिमुथ करुणारत्ने और पथुम निसंका ने मिलकर पहले विकेट के लिए 98 रन की साझेदारी की। करुणारत्ने 47 रन बनाकर ताइजुल इस्लाम की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद कुसल मेंडिस ने 65 रन बनाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। निसंका ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 238 गेंदों में 148 रन बनाए, जिसमें 18 चौके शामिल हैं। उनकी यह पारी श्रीलंका के लिए मैच में बढ़त बनाने में अहम साबित हो रही है।

बांग्लादेश पर बढ़ा दबाव

कोलंबो की पिच पर दूसरे दिन बल्लेबाजी आसान रही, लेकिन बांग्लादेश के गेंदबाज विकेट निकालने में संघर्ष करते दिखे। ताइजुल इस्लाम और शोरफुल इस्लाम ने 1-1 विकेट लिया, जबकि बाकी गेंदबाज अब तक खाली हाथ हैं। अगर श्रीलंका तीसरे दिन भी इसी लय में बल्लेबाजी जारी रखता है, तो बांग्लादेश पर चौथी पारी में मैच बचाने का दबाव बढ़ जाएगा।

तीसरे दिन की रणनीति

श्रीलंका कोशिश करेगी कि तीसरे दिन का खेल निकालकर 450-500 रन तक स्कोर बनाए ताकि बांग्लादेश पर बड़ा दबाव बने। बांग्लादेश की रणनीति होगी कि सुबह के सत्र में जल्दी विकेट निकालकर श्रीलंका की बढ़त को कम से कम रखा जाए ताकि मैच में वापसी की उम्मीद बनी रहे।

आंकड़ों पर नजर

बांग्लादेश पहली पारी: 247/10

श्रीलंका पहली पारी: 290/2 (पथुम निसंका 146*)

श्रीलंका की बढ़त: 43 रन

तीसरे दिन का खेल दोनों टीमों के लिए बेहद अहम होगा। श्रीलंका की कोशिश रहेगी कि वह पहली पारी में बड़ा स्कोर खड़ा करे। फिलहाल श्रीलंका 290/2 के स्कोर पर है, जिसमें पथुम निसंका 146 रन बनाकर नाबाद हैं। उनकी इस शानदार पारी ने टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया है। श्रीलंका की योजना होगी कि वह तीसरे दिन का अधिकांश समय बल्लेबाजी करते हुए स्कोर को 450-500 रन तक पहुंचाए, ताकि बांग्लादेश पर मनोवैज्ञानिक और स्कोरबोर्ड का दबाव बनाया जा सके।

सूर्यकुमार यादव की जर्मनी में स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी सफल

-पोस्ट शेयर कर कहा, अब रिकवरी कर रहा हूं

भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का जर्मनी के म्यूनिख में पेट की दाएं ओर स्पोर्ट्स हर्निया का सफल ऑपरेशन हुआ। 34 साल के सूर्या ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, 'लाइफ अपडेट, पेट के निचले दाएं ओर स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हो गई है। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सफल ऑपरेशन के बाद अब मैं रिकवरी की राह पर हूं।'

अगस्त में बांग्लादेश का दौरा करेगी टीम इंडिया

भारतीय टीम को अगस्त महीने में बांग्लादेश का दौरा करना है। टीम को वहां 17 अगस्त से 3 वनडे और 3 टी-20 मैच की सीरीज खेलनी है। टी-20 सीरीज 26 अगस्त से शुरू होगी। फिलहाल, भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर गई है।

मुंबई की ओर से 700 से ज्यादा रन बनाए

सूर्यकुमार यादव ने इंडियन प्रीमियर लीग के 2025 सीजन में मुंबई इंडियंस के लिए 700 से अधिक रन बनाए। फिर वे मुंबई प्रीमियर लीग टी-20 टूर्नामेंट में हिस्सा लिया।

सूर्या ने 2021 में इंटरनेशनल डेब्यू किया

सूर्यकुमार यादव ने मार्च 2021 में भारत के लिए टी-20 इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की। पहले ही मैच में उन्होंने छक्के से शुरुआत की। उनका वनडे डेब्यू भी 2021 में हुआ। फरवरी 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका टेस्ट डेब्यू हुआ, हालांकि यह उनका एकमात्र टेस्ट मैच है। उन्होंने अब तक 83 टी-20 मैचों में 2598 रन बनाए हैं। वहीं, 37 वनडे में उनके नाम 773 रन हैं।

क्या है स्पोर्ट्स हर्निया?

स्पोर्ट्स हर्निया को मेडिकल भाषा में एथलेटिक प्यूबैल्जिया कहा जाता है। यह पेट के निचले हिस्से और ग्रोइन में दर्द पैदा करने वाली स्थिति होती है। यह आमतौर पर खिलाड़ियों में अधिक देखने को मिलती है जो स्प्रिंट, अचानक मोड़ने या बल लगाने वाले खेल खेलते हैं। इसकी सर्जरी के बाद रिकवरी में 6 से 8 हफ्ते का समय लग सकता है।

कब से थी सूर्यकुमार को परेशानी?

सूत्रों के अनुसार सूर्यकुमार यादव को पिछले कुछ महीनों से पेट और ग्रोइन एरिया में दर्द महसूस हो रहा था। आईपीएल 2025 सीजन के दौरान भी वह इस परेशानी से जूझते रहे, हालांकि उन्होंने अपनी टीम मुंबई इंडियंस के लिए खेलने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बीसीसीआई मेडिकल टीम की सलाह पर उन्होंने सर्जरी का फैसला किया ताकि आने वाले महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स के लिए वह पूरी तरह फिट रह सकें।

जर्मनी क्यों गए सर्जरी के लिए?

बीसीसीआई अकसर गंभीर या विशेष सर्जरी के लिए खिलाड़ियों को जर्मनी या इंग्लैंड भेजती है, जहां विश्वस्तरीय सर्जन और स्पोर्ट्स रिहैब की सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे पहले भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या ने भी जर्मनी और इंग्लैंड में अपनी सर्जरी करवाई थी। सूर्यकुमार यादव की यह सर्जरी भी जर्मनी के म्यूनिख स्थित स्पोर्ट्स सर्जरी सेंटर में हुई।

सूर्यकुमार यादव का करियर अब तक

सूर्यकुमार यादव भारतीय टीम के मिडिल ऑर्डर के मजबूत स्तंभ माने जाते हैं।

वह अपनी आक्रामक बैटिंग, 360 डिग्री शॉट्स और तेजी से रन बनाने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं।

सूर्यकुमार यादव टी20 में दुनिया के नंबर 1 बल्लेबाज रह चुके हैं।

उन्होंने अब तक भारत के लिए 60+ टी20 इंटरनेशनल और 30+ वनडे मैच खेले हैं।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलने वाले सूर्या अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और मैच फिनिश करने की कला के लिए मशहूर हैं।

रिकवरी में कितना समय लगेगा?

स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी के बाद आमतौर पर खिलाड़ियों को रिकवरी में 6 से 8 हफ्ते का समय लगता है। इसमें पहले हफ्तों में धीरे-धीरे वॉकिंग और लाइट एक्टिविटी कराई जाती है। इसके बाद धीरे-धीरे स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, रनिंग और बैटिंग प्रैक्टिस शुरू की जाती है। अगर सब कुछ सही रहा तो सूर्यकुमार यादव अगस्त के अंत या सितंबर तक मैदान में वापसी कर सकते हैं।

क्यों है सूर्या की फिटनेस भारत के लिए जरूरी?

भारत को अगस्त-सितंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज और अक्टूबर-नवंबर में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जैसे बड़े टूर्नामेंट खेलने हैं। सूर्यकुमार यादव की मौजूदगी भारतीय मिडिल ऑर्डर को मजबूती देती है। उनके होने से टीम को बैटिंग में फ्लो और फिनिशिंग पावर मिलती है, जिससे मुश्किल परिस्थितियों में भी टीम को संभाला जा सकता है। स्पोर्ट्स हर्निया की रिकवरी में सामान्यतः 6 से 8 हफ्ते का समय लगता है। अगर सब कुछ सही रहा तो सूर्या अगस्त के अंत या सितंबर तक वापसी कर सकते हैं। भारत को अगस्त में बांग्लादेश और अक्टूबर-नवंबर में चैंपियंस ट्रॉफी जैसे अहम टूर्नामेंट खेलने हैं। ऐसे में सूर्या की फिटनेस टीम के लिए बेहद जरूरी है। उनकी 360 डिग्री शॉट्स खेलने की क्षमता और मैच फिनिश करने का हुनर भारत के मिडिल ऑर्डर को मजबूती देता है। । उन्होंने बताया कि वे अब रिकवरी की प्रक्रिया में हैं।

IOC ने 2036 ओलिंपिक की मेजबानी प्रक्रिया पर लगाई रोक: भारत को झटका

-प्रेसिडेंट बोले, अभी मेजबान चुनने का सही समय नहीं

इंटरनेशनल ओलिंपिक काउंसिल (IOC) ने 2036 ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी की बिडिंग प्रोसेस पर रोक लगा दी है। इससे गेम्स के लिए भारत की मेजबानी पर फैसला टल गया है। IOC की प्रेसिडेंट क्रिस्टी कॉवेंट्री ने गुरुवार, 26 जून को कहा- 'एग्जीक्यूटिव बोर्ड के सभी सदस्यों ने इस प्रोसेस को रोकने और इसकी समीक्षा करने का फैसला लिया है। हम इस पर दोबारा विचार करने के लिए एक कार्य समूह गठित करेंगे।' 41 साल की क्रिस्टी लुसाने में एग्जीक्यूटिव बोर्ड की पहली बैठक ली। पिछले साल एक अक्टूबर को भारत सरकार ने एक अक्टूबर को लेटर ऑफ इंटेंट के जरिए IOC से गेम्स का आयोजन कराने की इच्छा जाहिर की थी। इस पर अगले साल तक फैसला होने की उम्मीद की जा रही थी।

भारत ने पेरिस ओलिंपिक में 6 मेडल जीते थे...

2032 तक के मेजबान तय हैं, 2036 के लिए बिडिंग होगी

2032 तक के ओलिंपिक मेजबान तय हो चुके हैं। 2032 की मेजबानी ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन शहर को दी गई है। जबकि 2028 के ओलिंपिक लॉस एंजिलिस में होने हैं।

अब तक 2 एशियाड, एक कॉमनवेल्थ गेम्स करा चुका है भारत

भारत अब तक 3 मल्टी स्पोर्ट्स गेम्स की मेजबानी कर चुका है। देश ने आखिरी बार 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की थी। इससे पहले भारत में 1982 और 1951 के एशियन गेम्स भी कराए जा चुके हैं।

कौन है क्रिस्टी कॉवेंट्री

क्रिस्टी कॉवेंट्री इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी (IOC) की प्रेसिडेंट हैं। उन्हें 23 जून, 2025 को IOC प्रेसिडेंट चुना गया था। वे इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला और पहली अफ्रीकी हैं। उन्होंने थॉमस बाक की जगह ली। उनका कार्यकाल 8 साल का है। क्रिस्टी कॉवेंट्री दुनिया की सर्वश्रेष्ठ बैकस्ट्रोक स्विमर (जिसमें तैराक अपनी पीठ के बल पानी में तैरना) में से हैं। उन्होंने 5 ओलिंपिक गेम्स (2000, 2004, 2008, 2012, और 2016) में हिस्सा लिया और कुल 7 मेडल जीते।

भारत ने कब और कैसे पेश की थी दावेदारी?

पिछले साल अक्टूबर में मुंबई में हुई IOC सेशन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक मंच से 2036 ओलिंपिक खेलों की मेजबानी की भारत की महत्वाकांक्षा का ऐलान किया था। इसके बाद भारतीय ओलिंपिक संघ (IOA) ने आधिकारिक रूप से दावेदारी का खाका IOC के सामने रखा। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी स्पष्ट कर दिया था कि भारत 2036 ओलिंपिक की मेजबानी के लिए पूरी तैयारी और इच्छाशक्ति रखता है। अहमदाबाद में संभावित ओलिंपिक आयोजन के लिए मास्टर प्लान पर भी काम चल रहा था।

IOC ने क्यों रोका प्रोसेस

थॉमस बाक ने कहा है कि 2036 ओलिंपिक के लिए मेजबान शहर चुनने की कोई जल्दबाजी नहीं है। उनके अनुसार, अभी पेरिस 2024, लॉस एंजेलिस 2028 और ब्रिस्बेन 2032 ओलिंपिक खेलों पर फोकस किया जा रहा है, और इन आयोजनों को सफल बनाने के बाद ही 2036 की मेजबानी पर ध्यान दिया जाएगा।

पहलगाम आतंकी हमले को नजरअंदाज किए जाने से राजनाथ सिंह ने एससीओ के बयान पर हस्ताक्षर से इनकार किया

» चिंगदाओ, भाषा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पहलगाम आतंकवादी हमले को नजरअंदाज करने और पाकिस्तान समर्थित सीमा पार आतंकवाद पर भारत की चिंताओं को स्पष्ट रूप से संबोधित नहीं करने को लेकर बृहस्पतिवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। मामले से परिचित व्यक्तियों ने बताया कि एससीओ आम सहमति के तहत काम करता है, लिहाजा वक्तव्य का समर्थन करने से सिंह के इनकार के परिणामस्वरूप एससीओ रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन संयुक्त वक्तव्य जारी किए बिना ही समाप्त हो गया।जानकारों ने कहा कि मसौदा वक्तव्य में न तो पहलगाम आतंकवादी हमले का उल्लेख किया गया और न ही सीमा पार आतंकवाद को लेकर भारत के रुख का जिक्र किया गया। सम्मेलन में अपने संबोधन में सिंह ने सीमा पार आतंकवाद को लगातार समर्थन देने के लिए पाकिस्तान की आलोचना की तथा आतंकवाद के अपराधियों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाने की आवश्यकता पर जोर दिया।उन्होंने कहा, कुछ देश सीमा पार आतंकवाद को नीति के एक साधन के तौर पर इस्तेमाल करते हैं और आतंकवादियों को पनाह देते हैं। ऐसे दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

एससीओ को ऐसे देशों की आलोचना करने में संकोच नहीं करना चाहिए। बुधवार को किंगदाओ पहुंचे रक्षा मंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति में बदलावे की व्यापक रूपरेखा रखी और एससीओ सदस्य देशों से आतंकवाद से लडने के लिए एकजुट होने तथा दोहरे मानदंडों को त्यागने का आग्रह किया। सम्मेलन में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ और चीनी रक्षा मंत्री डोंग जून भी शामिल हुए। सिंह ने कहा, शांति व समृद्धि आतंकवाद और सरकार से इतर तत्वों तथा आतंकवादी समूहों के हाथों में सामूहिक विनाश के हथियार देने की नीति साथ नहीं चल सकते। उन्होंने कहा, इन चुनौतियों से निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता है। अपने संकीर्ण व स्वार्थी उद्देश्यों के लिए आतंकवाद को प्रायोजित, पोषित और उपयोग करने वालों को इसके परिणाम भुगतने होंगे। सिंह ने यह भी कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले का तरीका भारत में लश्कर-ए-तैयबा के पिछले आतंकवादी हमलों के जैसा था। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने आतंकवाद से बचाव और सीमा पार से होने वाले हमलों को रोकने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। उन्होंने कहा, पहलगाम आतंकी हमले के दौरान, पीड़ितों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर गोली मारी गई थी। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकी समूह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा, पहलगाम हमले का तरीका भारत में लश्कर-ए-तैयबा के पिछले आतंकवादी हमलों के जैसा था। भारत की आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति उसके कार्यों से प्रदर्शित होती हैं। उन्होंने कहा, इस नीति में आतंकवाद से खुद का बचाव करने का हमारा अधिकार भी शामिल है। हमने दिखा दिया है कि आतंकवाद के केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं और हम उन्हें निशाना बनाने में संकोच नहीं करेंगे। सिंह ने कहा कि एससीओ सदस्यों को आतंकवाद की स्पष्ट रूप से निंदा करनी चाहिए। उन्होंने इस खतरे से सभी रूपों में लडने के भारत के संकल्प की पुष्टि की।रक्षा मंत्री ने युवाओं में कट्टरपंथ को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने का भी आह्वान किया। सिंह ने कहा कि दुनिया कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और साइबर हमलों से लेकर हाइब्रिड युद्ध तक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये खतरे सभी देशों के सामने हैं और इनसे निपटने के लिए पारदर्शिता, आपसी विश्वास और सहयोग पर आधारित एकीकृत प्रयासों की जरूरत है।

राजनाथ ने बेलारूस के रक्षा मंत्री के साथ चिंगदाओ में वार्ता की

चिंगदाओ (चीन)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को बेलारूस के अपने समकक्ष विक्टर खेनिन के साथ वार्ता की, जिसमें द्विपक्षीय रक्षा और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। यह बैठक चीन के इस शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन के दौरान हुई। रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने नई दिल्ली में बताया कि सिंह की खेनिन के साथ वार्ता रक्षा सहयोग को मजबूत करने और क्षेत्रीय सुरक्षा बढ़ाने पर केंद्रित रही। सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, चिंगदाओ में बेलारूस के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल विक्टर खेनिन के साथ काफी सार्थक बातचीत हुई। भारतीय रक्षा मंत्री एससीओ सम्मेलन में भाग लेने के लिए बुधवार को चीन के इस बंदरगाह शहर पहुंचे। सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री आंद्रे बेलौसो के साथ भी बैठक की।

राजनाथ सिंह ने किंगदाओ में रूस के रक्षा मंत्री से मुलाकात की

चिंगदाओ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को अपने रूसी समकक्ष आंद्रे बेलौसोव के साथ बातचीत की, जिसमें क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य और द्विपक्षीय रक्षा तथा रणनीतिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह बैठक शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन से इतर हुई। सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस बातचीत को ज्ञानवर्धक बताया। उन्होंने कहा, किंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक से इतर रूस के रक्षा मंत्री आंद्रे बेलौसोव से मिलकर खुशी हुई। हमने भारत-रूस रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने पर ज्ञानवर्धक विचार-विमर्श किया। ऐसा समझा जा रहा है कि सिंह ने पाकिस्तान से उत्पन्न सीमा पार आतंकवाद से भारत को चुनौती पर बात की।

कनाडा के मैनिटोबा प्रांत में भारतीय युवती पर हमला, लूटपाट

ओटावा, (भाषा)। कनाडा के मैनिटोबा प्रांत की राजधानी विन्निपेग में भारतीय युवती पर उसके घर के पास बेरहमी से हमला कर लूटपाट की गई। इस घटना के सिलसिले में एक लड़की को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। विन्निपेग पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया है, युवती की पहचान भारतीय समुदाय के सदस्यों ने तनप्रीत कौर (23) के रूप में की है। 23 जून को शाम की पाली खत्म करने के बाद विन्निपेग में वह अपने अपार्टमेंट जा रही थी। इसी दौरान आधी रात के बाद रोसलिन रोड के।-99 ब्लॉक में दो अजनबियों ने उस पर घात लगाकर हमला कर दिया। विन्निपेग पुलिस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि इलाके में आसपास खड़े लोगों ने हमला रोका, लेकिन संदिग्ध पीड़िता को चाकू मार व लूटपाट कर भाग गए। बयान में कहा गया है कि पीड़िता को चाकू मारकर सेल फोन छीन लिया गया। हमले के दौरान, उसने संदिग्ध पर काबू पाते हुए चाकू पकड़ लिया, लेकिन हमलावर उसे मारते रहे। लोगों ने बीच-बचाव किया और 911 पर कॉल किया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस के बयान में कहा गया, महिला को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया।

शेल ने बीपी का अधिग्रहण करने के लिए बातचीत की खबरों का किया खंडन

लंदन, (भाषा)। ब्रिटेन की तेल कंपनी शेल ने मीडिया की उन खबरों का बृहस्पतिवार को खंडन किया जिनमें उसके अपनी प्रतिद्वंद्वी कंपनी बीपी को खरीदने के लिए बातचीत करने का दावा किया गया था। अमेरिकी समाचार पत्र वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बुधवार को मामले से परिचित लोगों के हवाले से कहा कि शेल, बीपी को खरीदने के लिए प्रारंभिक चरण की बातचीत कर रही है। शेल ने लंदन शेयर बाजार को भेजे बयान में कहा, हाल ही में मीडिया में जारी अटकलों के जवाब में शेल यह स्पष्ट करना चाहता है कि वह बीपी के लिए कोई प्रस्ताव देने पर सक्रिय रूप से विचार नहीं कर रहा है। यह भी पुष्टि करता है कि उसने बीपी से कोई संपर्क नहीं किया है और संभावित प्रस्ताव के संबंध में उसके साथ कोई बातचीत भी नहीं हुई है। शेल ने बार-बार इन अटकलों का खंडन किया है कि वह अपनी छोटी प्रतिद्वंद्वी कंपनी बीपी के अधिग्रहण पर विचार कर रही है। उसका कहना है कि वह अपने कारोबार को सुव्यवस्थित और सरल बनाने पर ध्यान दे रही है। गौरलतब है कि बीपी 2010 के डीपवाटर होराइजन हादसे से अब भी उबरने की कोशिश कर रही है। इसमें 17 मजदूरों की मौत हो गई थी और कंपनी को इससे मेक्सिको की खाड़ी में हुए पर्यावरणीय नुकसान के लिए अरबों डॉलर का भुगतान करना पड़ा था।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस

संयुक्त राष्ट्र: भारत ने बच्चों के खिलाफ अत्याचारों से ध्यान हटाने के पाकिस्तान के प्रयासों को खारिज किया

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

भारत ने पाकिस्तान में बच्चों के खिलाफ किए जा रहे अत्याचारों और सीमा पार से बढ़ते आतंकवाद से ध्यान हटाने के पड़ोसी देश के प्रयासों तथा संयुक्त राष्ट्र की प्रक्रियाओं को लेकर उसके अनुचित आक्षेपों को दृढ़ता से खारिज करते हुए कहा है कि दुनिया पहलगाम हमले को भूली नहीं है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत पी हरीश ने कहा, मैं पाकिस्तान के प्रतिनिधि द्वारा की गई राजनीतिक रूप से प्रेरित टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देने के लिए बाध्य हूं, जो सीएएसी (बच्चों और सशस्त्र संघर्ष) एजेंडे के गंभीर उल्लंघनकर्ताओं में से एक है। बुधवार को बच्चों के खिलाफ गंभीर उल्लंघनों को समाप्त करने और रोकने के लिए प्रभावी रणनीति विषय पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में एक बयान में हरीश ने कहा कि पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र की प्रक्रियाओं पर अनुचित आरोप लगा रहा है और अपने नापाक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न चर्चाओं में भारत को बदनाम कर रहा है। हरीश ने कहा, हम पाकिस्तान में बच्चों के खिलाफ किए जा रहे अत्याचारों, जैसा कि महासचिव की रिपोर्ट में उजागर किया गया है और साथ ही बड़े पैमाने पर सीमा पार आतंकवाद से ध्यान हटाने की उसकी कोशिश को खारिज करते हैं।

हरीश ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस की सीएएसी पर जारी रिपोर्ट में पाकिस्तान में सशस्त्र संघर्ष में बच्चों के खिलाफ गंभीर उल्लंघन का विवरण दिया गया है। महासचिव ने पाकिस्तान में स्कूलों, विशेष रूप से लड़कियों के स्कूलों, स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ हमलों सहित इस तरह के गंभीर उल्लंघनों में वृद्धि पर और अफगानिस्तान की सीमा से लगे क्षेत्रों में घटनाओं के बारे में भी चिंता व्यक्त की है, जहां अफगान बच्चों की हत्या और उनके अपंग होने की घटनाओं के लिए सीधे तौर पर पाकिस्तानी सशस्त्र बलों द्वारा सीमा पार से गोलाबारी और हवाई हमलों को जिम्मेदार ठहराया गया था। हरीश ने कहा, इस तरह के व्यवहार के बाद इस संस्था में उपदेश देना घोर पाखंड है। उन्होंने संरा परिषद को बताया कि दुनिया 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी और पाकिस्तान द्वारा प्रशिक्षित आतंकवादियों द्वारा किए गए हमलों को भूली नहीं है, जिनमें 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद ने 25 अप्रैल को एक प्रेस वक्तव्य जारी किया था, जिसमें इस निंदनीय कृत्य के अपराधियों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें न्याय के कठघरे में लाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया था। हरीश ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने मई 2025 में जानबूझकर भारतीय सीमावर्ती गांवों पर गोलाबारी की, जिसमें कई नागरिक मारे गए और घायल हुए।

ईरान ने इजराइल पर विजय प्राप्त की है: सर्वोच्च नेता खामेनेई ने युद्ध की समाप्ति के बाद कहा

» दुबई, भाषा।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इजराइल-ईरान के बीच हालिया युद्धविराम के बाद बृहस्पतिवार को अपने पहले सार्वजनिक बयान में दावा किया कि उनके देश ने इजराइल पर जीत हासिल की है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान ने अमेरिका के मुंह पर तमाचा मारा है। खामेनेई ने ईरान के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक वीडियो संदेश में यह टिप्पणियां कीं। इजराइली सेना की तेहरान पर बमबारी के बाद 12 दिनों तक चले युद्ध के दौरान 86-वर्षीय खामेनेई ने एक गुप्त स्थान पर शरण ली थी। खामेनेई ने कहा कि अमेरिका ने युद्ध में केवल इसलिए हस्तक्षेप किया, क्योंकि उसे लगा कि अगर उसने हस्तक्षेप नहीं किया, तो यहूदी शासन पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि अमेरिका को इस युद्ध से कुछ हासिल नहीं हुआ है।

खामेनेई ने सोमवार को कतर में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ईरानी मिसाइल हमले का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, इस्लामिक गणराज्य विजई हुआ और उसने अमेरिका के मुंह पर तमाचा मारा। खामेनेई को 13 जून को युद्ध छिड़ने के बाद एक गुप्त स्थान पर शरण लेने के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। इजराइल ने ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला किया था और शीर्ष सैन्य कमांडरों और वैज्ञानिकों को निशाना बनाया। बाद में अमेरिका ने 22 जून को बंकर-बस्टर बमों से ईरान के परमाणु स्थलों को निशाना बनाया था। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल और ईरान के बाद युद्धविराम की घोषणा की, जो मंगलवार को प्रभावी हुआ।

न्यूज ब्रीफ

नेपालः प्रधानमंत्री ओली शनिवार से स्पेन की छह दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली शनिवार को स्पेन की छह दिवसीय आधिकारिक यात्रा के लिए रवाना होंगे। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ओली 30 जून से तीन जुलाई तक इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फाइनेंसिंग फॉर डेवलपमेंट के चौथे संस्करण में भाग लेंगे। सूत्रों ने बताया कि इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ओली स्पेन के अपने समकक्ष पेड्रो सांचेज के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, ओली दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग के विस्तार पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री इस यात्रा के दौरान स्पेन के व्यापार जगत के दिग्गजों से भी बातचीत करेंगे। माय रिपब्लिका समाचार पोर्टल की बृहस्पतिवार को जारी एक खबर के मुताबिक, स्पेन में नेपाल के राजदूत शैनिल नेपाल ने बताया कि आधिकारिक यात्रा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और स्पेन में नेपाली समुदाय प्रधानमंत्री के आगमन का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। नेपाल की पूर्व राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने 2021 में स्पेन का दौरा किया था और जलवायु परिवर्तन व पर्यटन के क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक समझौता हुआ था।

फ्रांस में तूफान एवं मूसलाधार बारिश से दो लोगों की मौत, 17 घायल

» पेरिस, भाषा।

फ्रांस में हुई तूफान एवं मूसलाधार बारिश के कारण दो लोगों की मौत हो गई और 17 लोग घायल हो गए। इसके कारण पेड़ उखड़ गए, पेरिस की सड़कों पर पानी भर गया और प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान संसद भवन की छत से पानी टपकने लगा। प्रधानमंत्री फ्रांसवा बायरू ने पश्चिम एशिया पर भाषण देने के बाद नेशनल असेंबली की टपकती छत की ओर दिलाते हुए कहा, क्या आपने देखा कि बारिश हो रही है? बुधवार शाम को बारिश से पेरिस के मुख्य मार्गों पर जलभराव हो गया। विधानसभा उपाध्यक्ष रोलांड लेस्क्योर ने चर्चा को रुकवा दिया ताकि अग्निशमन अधिकारी समस्या की जांच कर सकें।

लगभग 15 मिनट बाद कार्यवाही फिर से शुरू होने पर लेस्क्योर ने सांसदों को बताया कि रिसाव को ठीक करने के लिए पानी सोखने वाली कालीन का इस्तेमाल किया गया। फ्रांसीसी नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि तूफान एवं बारिश के कारण एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। एजेंसी ने कहा कि 110,000 घरों की बिजली भी कट गई। फ्रांसीसी मीडिया के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में एक पेड़ गिरने से 12 वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई तथा उत्तर-पश्चिम में एक व्यक्ति की क्वाड-बाइक एक गिरे हुए पेड़ से टकरा गई, जिससे उसकी मौत हो गई।

मेक्सिको के गुआनाजुआतो राज्य में जश्न के दौरान हमले में 12 लोगों की मौत

» मेक्सिको सिटी, भाषा।

मेक्सिको के गुआनाजुआतो राज्य के इरापुआतो शहर में एक समारोह के दौरान हुई गोलीबारी में 12 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटना जब लोग सड़कों पर एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान जश्न मना रहे थे।

ऑनलाइन प्रसारित हुए वीडियो में देखा जा सकता है कि गोलीबारी के बाद लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इरापुआतो के अधिकारी रोडोल्फो गोमेज करवाजेज ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मृतकों की संख्या 12 हो गई है जबकि लगभग 20 अन्य लोग घायल हैं।

दशकों से एक दूसरे के दुश्मन हैं अमेरिका और ईरान, हालिया बमबारी से शुरू हुआ शत्रुता का नया अध्याय

» वाशिंगटन, भाषा।

ईरान के परमाणु स्थलों पर हाल में हुए अमेरिकी हमलों के बाद दोनों देशों के रिश्तों में एक नए अध्याय की शुरुआत हो गई है। यह अध्याय या तो बेहतर साबित हो सकता है या फिर और भी बुरा। लगभग आधी सदी के दौरान दुनिया ने दोनों देशों के बीच दुश्मनी के कई दौर देखे हैं। ईरान के लिए जहां अमेरिका सबसे बड़ा शैतान है तो वहीं अमेरिका की नजर में ईरान पश्चिम एशिया में फसाद की जड़ है। हालांकि इस दौर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लहजे में एक बदलाव भी दिखा जब उन्होंने कहा, ईश्वर ईरान का भला करे। यह बदलाव इस सप्ताह ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिका की भीषण बमबारी, कतर में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ईरान के जवाबी लेकिन संयमित हमले और इजराइल-ईरान युद्ध में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से किए गए अस्थाई युद्ध विराम के बाद आया है। एक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में पता चला है कि तीन ठिकानों पर अमेरिकी हमले से गंभीर क्षति हुई है, लेकिन वे नष्ट नहीं हुए हैं। यह रिपोर्ट ट्रंप के इस दावे के विपरीत है कि हमले ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट कर दिया।

यहां दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बारे में कुछ प्रश्न और उनके उत्तर दिए गए हैं ट्रंप ने सभी को शुभकामनाएं क्यों दीं? ट्रंप ने युद्ध विराम पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे उपलब्धि बताया और खुशी जताई। हालांकि तब तक इजराइल और ईरान पूरी तरह से युद्ध विराम पर सहमत नहीं हुए थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, ईश्वर इजराइल का भला करे। ईश्वर ईरान का भला करे। उन्होंने पश्चिम एशिया, अमेरिका और विश्व को भी शुभकामनाएं दीं। जब यह स्पष्ट हो गया कि युद्ध तत्काल समाप्त नहीं हुआ है, तो उनके लहजे में फिर बदलाव आया और उन्होंने एक कड़ा बयान दिया। उन्होंने कैमरे के सामने कहा, दो देश इतने लंबे समय से और इतनी भीषण लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्हें पता ही नहीं है कि वे क्या कर रहे हैं। इस दौरान ट्रंप ने विशेष रूप से इजराइल की आलोचना की, जो अमेरिका का पक्का सहयोगी रहा है। इससे ऐसा प्रतीत हुआ कि ट्रंप को लगता है कि इजराइल को लड़ाई रोकने में उतनी रुचि नहीं है, जितनी ईरान को है। साल 1953 में ईरान में तख्तापलट हुआ था, जिसे ब्रिटिश समर्थन से सीआईए ने अंजाम दिया था। ऑपरेशन एजैक्स के तहत ईरान की लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को उखाड़ फेंका गया और शाह मोहम्मद रजा पहलवी को सत्ता सौंप दी गई। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि पश्चिमी देशों को ईरान में सोवियत संघ का प्रभाव बढ़ने और तेल उद्योग के राष्ट्रीयकरण का डर था। शाह अमेरिका के रणनीतिक सहयोगी थे। उन्होंने अमेरिका के साथ ईरान के संबंध सुधारे। लेकिन उनके निरंकुश शासन और अमेरिका के हितों के आगे झुकने को लेकर ईरानियों के बीच शिकायतें बनी रहीं। ईरानियों के बीच पहलवी के शासन के खिलाफ 1979 में आक्रोश बढ़ गया, जिसके बाद इस्लामी क्रांति हुई। इसके बाद वह देश छोड़कर भाग गए और धर्मतंत्रवादी क्रांतिकारियों ने देश पर नियंत्रण कर लिया। ईरान में अमेरिका विरोधी भावनाएं चरम पर थीं, इस बीच नवंबर, 1979 को ईरानी छात्रों ने 66 अमेरिकी राजनयिकों व नागरिकों को बंधक बना लिया और उनमें से 50 से अधिक को 444 दिन तक बंधक बनाए रखा।अमेरिका और राष्ट्रपति जिमी कार्टर के लिए यह अपमानजनक बात थी। उन्होंने ईरान बंधक संकट के कुछ महीनों बाद एक गुप्त अभियान चलाने का आदेश दिया। ऑपरेशन ईगल क्लॉ के तहत नौसेना के आठ हेलीकॉप्टर और वायुसेना के छह विमानों को ईरान भेजा गया। हालांकि रेतीले तूफान के कारण एक हेलीकॉप्टर सी-120 ईंधन भरने वाले विमान से टकराने के कारण आठ सैनिकों की मृत्यु हो गई और मिशन रद्द हो गया। साल 1980 में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध टूट गए और अब भी टूटे हुए हैं। 20 जनवरी, 1981 को रोनाल्ड रीगन के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के कुछ ही मिनटों बाद ईरान ने बंधकों को रिहा कर दिया। इसका जवाब है नहीं। इससे पहले हमला समुद्र में हुआ था। अमेरिकी नौसेना ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अपने सबसे बड़े हमले में 18 अप्रैल, 1988 को दो ईरानी जहाजों को डुबो दिया, एक जहाज को क्षतिग्रस्त कर दिया और दो निगरानी प्लेटफार्मों को नष्ट कर दिया।

उत्तर कोरिया अपने पूर्वी तट पर पर्यटन स्थल को खोलेगा

» सियोल, भाषा।

उत्तर कोरिया अगले सप्ताह अपने पूर्वी तट पर एक प्रमुख पर्यटक स्थल को खोलेगा जिसे वह अपने पर्यटन उद्योग में एक नए युग की शुरुआत बता रहा है। हालांकि इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि वह विदेशी पर्यटकों के लिए अपनी सीमाओं को पूरी तरह से कब खोलेगा। सरकारी मीडिया के अनुसार, वॉनसन-कल्मा तटीय पर्यटन क्षेत्र में लगभग 20,000 मेहमानों के लिए होटल और अन्य आवास की व्यवस्था है। सैलानी समुद्र में तैर सकते हैं, खेलकूद और अन्य मनोरंजक गतिविधियों में भाग ले सकते हैं।

सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बृहस्पतिवार को खबर दी कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने मंगलवार को एक भव्य समारोह में स्थल का उद्घाटन किया। खबर के मुताबिक, उन्होंने कहा कि इसका निर्माण कार्य इस वर्ष की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक के रूप में दर्ज किया जाएगा और उन्होंने इस स्थल को पर्यटन को विकसित करने की सरकार की नीति को साकार करने की दिशा में गौरवशाली पहला कदम बताया।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य के स्कूल में विस्फोट, भगदड़ में 29 बच्चों की मौत

» बांगुई (मध्य अफ्रीकी गणराज्य), भाषा।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य की राजधानी के एक उच्च विद्यालय में हुए विस्फोट और उसके बाद मची भगदड़ में कम से कम 29 स्कूली बच्चों की मौत हो गई और करीब 260 लोग घायल हुए हैं।

अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। देश के राष्ट्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, बुधवार को बांगुई के बार्थेलेमी बोगांडा उच्च विद्यालय के परिसर में लगे एक विद्युत ट्रांसफार्मर में खराबी आने के बाद उसमें विद्युत आपूर्ति बहाल की जा रही थी और उसी दौरान विस्फोट हो गया। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विस्फोट के बाद मची भगदड़ में 16 छात्राओं समेत ज्यादातर पीड़ितों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं अन्य की मौत अस्पताल में हुई।

ईरान-इजरायल युद्ध पर ट्रंप नीति की समीक्षा

ट्रंप ने निराशा-आक्रामकता की परिकल्पना विकसित की

ट्रंप का गुस्से वाला बयान : मनोवैज्ञानिकों का विश्लेषण

» ओर्मस्कर्क (ब्रिटेन), भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गत 24 जून को संवाददाताओं से कहा था कि मैं इजराइल से खुश नहीं हूं। उनका यह स्पष्ट बयान ईरान और इजराइल के बीच शांति समझौते के उनके प्रयासों के तहत आया। इजराइल और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा करने के एक दिन बाद ट्रंप ने कहा, मैं इजराइल से खुश नहीं हूं। हमारे पास मूल रूप से दो देश हैं जो इतने लंबे समय से और इतनी भीषण लड़ाई लड़ रहे हैं कि उन्हें नहीं पता कि वे क्या कर रहे हैं। ट्रंप की घोषणा के अगले दिन तक ईरान और इजराइल दोनों ने युद्ध विराम का उल्लंघन किया था।

ट्रंप इस बात से साफ तौर पर नाराज थे और उनकी भाषा से यह पता चल रहा था। यह बोलने में हुई कोई चूक नहीं थी, इस पर तत्काल कोई खंडन नहीं किया गया, कोई खेद नहीं जताया गया, ना ही असहज महसूस करने का कोई संकेत दिया गया। वह बस गुस्से में थे, साफ तौर पर गुस्से में। यह उस तरह की भाषा नहीं है जो आम तौर पर कोई राष्ट्रपति बोले। कुछ खबरों के मुताबिक अंग्रेजी के एफ.. अक्षर वाला अपशब्द पहले भी इस स्तर पर बैठे लोगों द्वारा इस्तेमाल किया जाता रहा है, लेकिन आमतौर पर ऐसा बंद दरवाजों में होता है। हम राष्ट्रपतियों से शांत, संयमित, विचारशील होने की उम्मीद करते हैं। ट्रंप की टिप्पणी में इनमें से कुछ भी नहीं था। अमेरिका के 26वें राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट ने एक बार ऐसी विदेश नीति की सिफारिश की थी जो विनम्रता से अपनी बात रखने के साथ ही लंबी छड़ी लेकर चलने की बात करती थी। इसका मतलब था कि अमेरिका कूटनीति और बातचीत पर जोर देगा, लेकिन साथ ही अपनी सैन्य शक्ति का भी प्रदर्शन करेगा ताकि जरूरत पड़ने पर उसका उपयोग किया जा सके। रूजवेल्ट शांति से धमकी देने का सुझाव दे रहे थे, लेकिन ट्रंप ने हताशा दिखाई और मुश्किल से नियंत्रित कर पाए। उनकी उग्र, आक्रामक प्रतिक्रिया किसी पुरानी मनोविज्ञान की पाठ्यपुस्तक से सीधे निकली हुई लग रही थी। 1930 के दशक में, मनोवैज्ञानिकों ने आक्रामक व्यवहार कैसे उत्पन्न हो सकता है, यह समझाने के लिए निराशा-आक्रामकता की परिकल्पना विकसित की। इस अवधारणा में सुझाव दिया गया कि जब किसी व्यक्ति का लक्ष्य किसी तरह से अवरुद्ध होता है, तो यह निराशा की ओर ले जाता है, जिसके परिणामस्वरूप आक्रामकता आती है। आक्रामकता को निराशा की इस अप्रिय स्थिति को दूर करने का एक स्वाभाविक तरीका माना जाता था। वह स्पष्ट रूप से अलग समय था। अगले कुछ दशकों में, इस परिकल्पना को अधिकांश मनोवैज्ञानिकों ने जटिल मानव व्यवहार का एक बड़ा सरलीकरण माना। इसने निराशा और आक्रामकता के बीच एक सीधा संबंध मान लिया, अन्य सभी स्थितिजन्य और संज्ञानात्मक कारकों को अनदेखा कर दिया गया। मनोवैज्ञानिकों ने तर्क दिया कि मनुष्य इससे कहीं अधिक जटिल है - वे अपनी निराशाओं से निपटने के अन्य तरीके खोजते हैं। वे समाधान खोजने के लिए अपनी तर्कसंगत विचार प्रणाली का उपयोग करते हैं। जब वे इस आदिम तरीके से निराश होते हैं तो उन्हें भड़कने की जरूरत नहीं होती। शायद यही कारण है कि जब कई लोग अमेरिकी राष्ट्रपति को इस तरह की कुछ स्थितियों में देखते हैं तो वे चौंक जाते हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,